माघ शुक्ल पक्ष - 7, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09 , अंक - 202 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

25 जनवरी 2026 रविवार

आज का मौसम

23.1 अधिकतम

11.9 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

बांग्लादेश में हिंदू युवक की हत्या, जिंदा जलाया

ढाका। बांग्लादेश में एक बार फिर एक हिंदू युवक की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। युवक की पहचान चंचल चंद्र भौमिक के रूप में हुई है, जो नरसिंहदी इलाके में एक गैराज में सो रहा था। उसी दौरान अज्ञात लोगों ने गैराज में पेट्रोल डालकर आग लगा दी, जिसमें जिंदा जलकर चंचल की दर्दनाक मौत हो गई। बांग्लादेश के पत्रकार सलाह उद्दीन शोएब चौधरी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में मामले की पूरी जानकारी दी। सलाहउद्दीन शोएब चौधरी ने लिखा कि बांग्लादेश में एक बार फिर हिंदू युवक को जलाकर मार डाला गया है।

अमेरिका में बर्फीले तूफान से 9 हजार उड़ानें रद्द

न्यूयॉर्क। अमेरिका इस समय कुदरत के भीषण कहर का सामना कर रहा है। एक विनाशकारी बर्फीले तूफान ने देश के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया है जिससे करीब 14 करोड़ लोगों की जिंदगी थम सी गई है। सड़कों पर जमी कई फीट बर्फ और शून्य से नीचे गिरे तापमान ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। वहीं तूफान का सबसे बुरा असर हवाई और सड़क यातायात पर पड़ा है। अब तक लगभग 9,000 उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं।

लुधियाना में सीनियर नेता जसवंत चीमा पर फायरिंग

खन्ना (लुधियाना)। खन्ना के दोराहा में अकाली दल वारिस पंजाब दे के सीनियर नेता जसवंत सिंह चीमा पर फायरिंग की घटना सामने आई है। यह घटना उस समय हुई जब जसवंत सिंह चीमा लुधियाना से अपनी इनोवा गाड़ी में दोराहा की ओर आ रहे थे। रास्ते में दोराहा के गुरथली पुल के पास बाइक सवार दो लोगों ने उनकी गाड़ी को रोकने की कोशिश की। जानकारी के अनुसार अंधेरा होने के कारण जसवंत सिंह चीमा को आशंका हुई कि गाड़ी रोकने की कोशिश करने वाले गलत तत्व हो सकते हैं।इसी शक के चलते उन्होंने अपनी गाड़ी नहीं रोकी और आगे बढ़ा ली। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने गाड़ी पर फायर कर दिया।

राष्ट्रपति का देश के नाम संदेश आज प्रसारित होगा

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्र को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक स्टेटमेंट जारी करके यह जानकारी दी है। इस बयान में बताया गया कि यह स्पीच आज शाम 7 बजे से आकाशवाणी के सभी राष्ट्रीय चैनलों पर ब्रॉडकास्ट होगी।

ओडिया के संगीतकार मजूमदार का निधन

ओडिया। ओडिया के फिल्म इंडस्ट्री मशहूर म्यूजिक कंपोजर अभिजीत मजूमदार का आज पांच महीने तक कई गंभीर बीमारी से जूझने के बाद निधन हो गया। 53 साल के इस दिग्गज संगीतकार की मौत से क्षेत्रीय सिनेमा में एक युग का अंत हो गया है, जो अपने पीछे 700 से ज्यादा यादगार रचनाओं की विरासत छोड़ गए हैं।

संडे लाइफ में आज

- पं. विष्णु राजौरिया का साप्ताहिक राशिफल कॉलम- सितारों की बात।
- बढ़ती उम्मीदों से कम होती रिश्तों की गर्माहट
- सुधीर नायक का व्यंग्य स्तंभ - दिया कबीरा रोय

आज का कार्टून

नेशनल वोटर्स डे... 'मन की बात' में स्टार्टअप इंडिया और पर्यावरण रक्षा पर जोर

पीएम बोले...पहली बार वोटर बनने का जश्न मनाएं देश के युवा, समाज करे अभिनंदन

नईदिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि मतदाता ही लोकतंत्र की आत्मा होता है। जब भी कोई युवा पहली बार मतदाता बने तो पूरा मोहल्ला, गांव या फिर शहर एकजुट होकर उसका अभिनंदन करे और मिठाइयां बांटी जाएं। इससे लोगों में वोटिंग के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। 18 साल का होने पर वोटर के रूप में खुद को जरूर रजिस्टर करें। आज 25 जनवरी का दिन भी बहुत अहम है। आज नेशनल वोटर्स डे है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'मन की बात' के 130वें एपिसोड में देश के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि ये 2026 की पहली 'मन की बात' है। कल 26 जनवरी को हम गणतंत्र दिवस मनाएंगे। इस दिन हमारा संविधान लागू हुआ था। 26 जनवरी का पर्व हमें हमारे संविधान निर्माताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा, 'भारत में आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको-सिस्टम बन चुका है। स्टार्टअप इंडिया के इस अद्भुत सफर के हीरो हमारे युवा साथी हैं। अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर उन्होंने जो नवाचार किए, वो इतिहास में दर्ज हो रहे

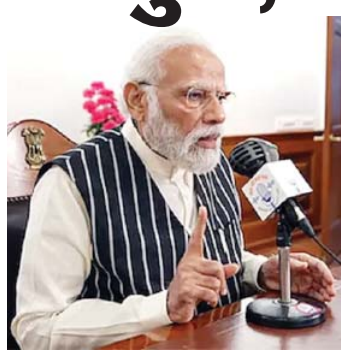

हैं। पीएम मोदी ने कहा, 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, सेमिकंडक्टर, ग्रीन हाईड्रोजन और बायोटेक्नोलॉजी...आप नाम लीजिए और कोई न कोई भारतीय स्टार्टअप सेक्टर में काम करते हुए दिख जाएगा। '

मलेशिया में तमिल स्कूल

पीएम मोदी ने बताया कि मलेशिया में हमारा भारतीय समुदाय बहुत सराहनीय कार्य कर रहा है। वहां 500 से ज्यादा तमिल स्कूल हैं। इनमें तमिल भाषा की पढ़ाई के साथ ही अन्य विषयों को भी तमिल में पढ़ाया जाता है। इसके अलावा यहां तेलुगु और पंजाबी सहित अन्य भारतीय भाषाओं पर भी बहुत फोकस रहता है।

नदियों को मिला नया जीवन

पीएम ने उत्तर प्रदेश की आजमगढ़ की तमसा नदी के लिए कहा कि लोगों ने तमसा नदी को नया जीवन दिया है। तमसा सिर्फ एक नदी नहीं है, यह हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत की एक जीवित धारा है। यह नदी, जो अयोध्या से गुजरती है और गंगा में मिल जाती है, कभी इस क्षेत्र के लोगों के जीवन का आधार थी। हालांकि, प्रदूषण के कारण इसका लगातार प्रवाह बाधित हो गया था। इसी तरह की जनभागीदारी की कोशिश आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में भी देखी गई है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जो गंभीर सूखे से जूझ रहा है। यहां की मिट्टी लाल और रेतीली है, जिस वजह से लोगों को पानी की कमी का सामना करना पड़ता है। इस कोशिश के तहत, 10 से ज्यादा जलाशयों को फिर से जिंदा किया गया है। ये जलाशय अब पानी से भर रहे हैं। साथ ही, 7,000 से ज्यादा पेड़ लगाए गए हैं। इसका मतलब है कि पानी बचाने के साथ-साथ अनंतपुर में हरियाली भी बढ़ी है।

पन्ना के जगदीश प्रसाद के प्रयासों की सराहना

पीएम ने कहा कि जब पर्यावरण सरंक्षण की बात होती है, तो अक्सर हमारे मन में बड़ी योजनाएं, बड़े अभियान और बड़े-बड़े संगठन की बातें आती हैं। लेकिन कई बार बदलाव की शुरुआत बहुत साधारण तरीके से होती है। उन्होंने बेनॉय दास के लिए कहा कि उन्होंने हजारों पेड़ लगाए हैं, कई बार पौधे खरीदने से लेकर उन्हें लगाने और देख-भाल करने का सारा खर्च खुद ने उठाया है। वहीं, मध्य प्रदेश में पन्ना जिले के जगदीश प्रसाद अहिरवार के प्रयासों की भी सराहना की। पीएम ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अब तक देश में 200 करोड़ से ज्यादा पेड़ लगाए भी जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि ये बताता है कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर अब लोग ज्यादा जागरूक हैं, और किसी-ना-किसी रूप में अपना योगदान देना चाहते हैं।

कई जगह घना कोहरा

पहाड़ों में बर्फ से लौटी सर्दी

भोपाल। पहाड़ों में हो रही बर्फबारी के असर से प्रदेश में सर्दी फिर लौट आई है। सुबह प्रदेश के ज्यादातर हिस्से में कोहरे और सर्द हवा का असर रहा। भोपाल में शनिवार रात से ही ठंडी हवाएं चलती रहीं और आज सुबह कोहरा छाया रहा। विजिबिलिटी 500 से 1 हजार मीटर रही। सुबह 11 बजे बाद भी कोहरे का असर देखने को मिला। धार में इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन पर एक ट्रक ने पिकअप के बाद दो कारों को टक्कर मार दी।

सबसे ठंडा राजगढ़

मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार-रविवार की रात में राजगढ़ सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री पहुंच गया। दतिया में 7.4 डिग्री, गुना में 7.7 डिग्री, पचमढ़ी-श्योपुर में 8.4 डिग्री, नौगांव में 9 डिग्री और रतलाम-रीवा में तापमान 9.8 डिग्री रहा।

शिविर में जबरन घुसे लोग, योगी जिंदाबाद के नारे

कितने भी जुल्म कर लो पीछे नहीं हटूंगा: अविमुक्तेश्वरानंद

प्रयागराज, एजेंसी

प्रयागराज में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मेला प्रशासन के बीच 7 दिनों से विवाद जारी है। शिविर में युवकों के हंगामे पर अविमुक्तेश्वरानंद ने पहली बार बयान दिया है। उन्होंने कहा- हमारे ऊपर आक्रमण इसलिए किया गया है, क्योंकि हम गो-रक्षा की बात कर रहे हैं। हम इनकी (भाजपा) आंख की किरकिरी बन गए हैं, कितना भी परेशान करें, मैं पीछे नहीं हटूंगा। जितना हमारे ऊपर जुल्म होगा, उतनी ही मजबूती से कदम उठाऊंगा।

शनिवार रात कट्टर सनातनी सेना नाम के संगठन के 8 से 10 युवक भगवा झंडा लिए नारे लगाते पहुंच गए थे। शंकराचार्य के शिविर में घुसने की कोशिश की। आई लव बुलडोजर बाबा और योगी जिंदाबाद के नारे लगाए। अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों से धक्का-मुक्की भी हुई। 15 मिनट तक हंगामा चला। संगठन का प्रमुख सचिन सिंह नाम का व्यक्ति बताया जा रहा है। इसके बाद शंकराचार्य के शिष्यों ने शिविर को चारों तरफ से ढंक दिया। अंदर जाने के रास्ते ब्लॉक कर दिए।

उल्लेखनीय है कि प्रयागराज में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मेला प्रशासन के बीच 7 दिनों से विवाद जारी है। मौनी अमावस्या पर अविमुक्तेश्वरानंद पालकी में स्नान

थाने में शिकायत, सुरक्षा की मांग

शंकराचार्य के शिविर प्रभारी ने थाने में शिकायत दी है। कहा है कि असामाजिक लोग लाठी-डंडे और झंडे लेकर आए थे। जबरन शिविर में घुसकर मारपीट करने पर उतारू थे। शिविर में मौजूद सेवकों ने उन्हें समझाकर बाहर निकाल दिया, लेकिन हालात काफी गंभीर थे। बड़ी घटना हो सकती थी। ऐसे में शंकराचार्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

करने जा रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोका और पैदल जाने को कहा। विरोध करने पर शिष्यों से धक्का-मुक्की हुई। इससे नाराज अविमुक्तेश्वरानंद शिविर के बाहर धरने पर बैठ गए। प्रशासन ने अविमुक्तेश्वरानंद को 48 घंटे में दो नोटिस जारी किए। पहले में उनके शंकराचार्य की पदवी लिखने और दूसरे में मौनी अमावस्या को लेकर हुए बवाल पर सवाल पूछे गए।

उज्जैन में 'राहगिरी' कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम मोहन यादव ने कहा

संस्कृति और विरासत की झलक होगा सिंहस्थ कुंभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि साल 2028 में होने वाला सिंहस्थ कुंभ पूरी दुनिया को भारतीय संस्कृति और सनातन विरासत की भव्य झलक दिखाएगा। उन्होंने राहगिरी कार्यक्रम को किसानों के सम्मान के लिए समर्पित बताया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसानों के हितों की रक्षा के लिए दृढ़ता से खड़े हैं। किसान देश की प्रगति की रीढ़ हैं और उनके सम्मान से ही भारत सशक्त बनेगा।

आज यहां आयोजित हुए राहगिरी कार्यक्रम ने स्थानीय संस्कृति, सामाजिक

सहभागिता और स्वास्थ्य के संदेश को लोगों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश पुलिस, बीएसएफ और सीआरपीएफ बैंड ने संयुक्त संगीत प्रस्तुतियां दीं, जिसने पूरे माहौल को देशभक्ति और उत्साह से भर दिया। सनातन परंपराओं का निर्वहन करते हुए मुख्यमंत्री ने शंखनाद किया और सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के मंच से भगवा ध्वज फहराया। इसके साथ ही 'एक पौधा मां के नाम- स्वच्छ भारत' अभियान के तहत उन्हें पौधा भेंट किया गया। लोक संस्कृति का आनंद लेते हुए मुख्यमंत्री ने रागिनी कार्यक्रम में लठ भी घुमाया, जिससे राहगिरी की सांस्कृतिक झलक और भी जीवंत बन गई। कार्यक्रम में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की भागीदारी रही।

तमिलनाडु में हिन्दी की जगह न है और न ही कभी रहेगी : मुख्यमंत्री स्टालिन

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने आज भाषा शहीद दिवस के मौके पर राज्य के 'भाषा शहीदों' को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में हिंदी के लिए 'न तब जगह थी, न है और न ही कभी होगी।' स्टालिन ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए संदेश में कहा कि तमिलनाडु ऐसा राज्य है, जिसने अपनी भाषा को जीवन की तरह प्रेम किया और हिंदी थोपे जाने के खिलाफ हर बार एकजुट होकर उतनी ही तीव्रता से संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि हिंदी थोपने के प्रयासों का राज्य ने हमेशा विरोध किया है। सीएम एमके स्टालिन ने भाषा आंदोलन के इतिहास से जुड़ा एक संक्षिप्त वीडियो भी साझा किया। इस वीडियो में 1965 के दौरान चरम पर पहुंचे हिंदी विरोधी आंदोलन, उसमें शहीद हुए लोगों और डीएमके के दिवंगत नेताओं सीएन अन्नादुराई तथा एम करुणानिधि के योगदान का उल्लेख किया गया है। स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु ने हिंदी विरोधी आंदोलन का नेतृत्व कर उपमहाद्वीप में विभिन्न भाषाई समुदायों के अधिकार और पहचान की रक्षा की। उन्होंने तमिल भाषा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों को नमन करते हुए कहा कि अब भाषा के नाम पर कोई और जान नहीं जानी चाहिए, लेकिन तमिल के प्रति प्रेम कभी खत्म नहीं होगा। उन्होंने यह भी दोहराया कि तमिलनाडु हिंदी थोपे जाने का विरोध करता रहेगा।

इंदौर में दूषित पानी से हुई एक और मौत

इंदौर। इंदौर में दूषित पानी से 28वीं मौत हुई है। भागीरथपुरा निवासी रिटायर्ड शिक्षक राजाराम बौरासी (75) ने रविवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। परिजन ने बताया कि राजाराम बौरासी को शुक्रवार को उल्टी-दस्त की शिकायत हुई थी। हालत बिगड़ने पर पहले स्थानीय डॉक्टर को दिखाया गया, लेकिन आराम नहीं मिला। इसके बाद शनिवार सुबह उन्हें सरकारी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां रविवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बौरासी कांग्रेस के वार्ड अध्यक्ष भी थे। डॉक्टरों के अनुसार बौरासी हृदय रोग से पीड़ित थे।

मेट्रो एंकर | लिस्ट में अमेरिका और ब्रिटेन के संस्थानों का दबदबा, रिसर्च को महत्व

मेडिकल एजुकेशन के लिए वर्ल्ड रैंकिंग...ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी टॉप पर

नईदिल्ली, एजेंसी

विदेश में मेडिकल की पढ़ाई के लिए जाने वाले स्टूडेंट्स के लिए जरूरी खबर है। टाइम्स हायर एजुकेशन ने 2026 के लिए सब्जेक्ट के आधार पर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग जारी कर दी है। इसमें ये बताया गया है कि किस सब्जेक्ट के लिए कौन सी यूनिवर्सिटी टॉप पर है। रैंकिंग में मेडिसिन की पढ़ाई के लिए भी टॉप संस्थानों के नाम बताए गए हैं। लिस्ट को तैयार करने के लिए 102 देशों में स्थित 1230 यूनिवर्सिटी का मूल्यांकन किया है। ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी को दुनिया की नंबर वन मेडिकल यूनिवर्सिटी होने का खिताब मिला है। इसका पहले स्थान पर आना ये बताता है कि ऑक्सफोर्ड में बेहतरीन टीचिंग के साथ-साथ अच्छा रिसर्च भी करवाया जा रहा है। अमेरिका की

यूनिवर्सिटीज ने भी रैंकिंग में अच्छा प्रदर्शन किया है। यहाँ की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया-बर्कले भी टॉप-10 में जगह बनाने में कामयाब हुई है। इसी तरह से टॉप-3 यूनिवर्सिटीज में अमेरिका का एक संस्थान शामिल है, जिसका नाम हार्वर्ड यूनिवर्सिटी है। इस रैंकिंग से पता चलता है कि अमेरिका के टॉप संस्थान लगातार ग्लोबल रैंकिंग में दबदबा बना रहे हैं। ब्रिटेन भी उसे टक्कर देता हुआ नजर आ रहा है। टॉप-10 में अमेरिका की 4 तो ब्रिटेन की 5 यूनिवर्सिटीज ने जगह बनाई है। इसी तरह के कनाडा की एक यूनिवर्सिटी को जगह मिली है। अमेरिकी संस्थानों के अच्छा प्रदर्शन करने की एक प्रमुख वजह इन्हें मिलने वाली फंडिंग है। यहां पर लाखों डॉलर की फंडिंग होती है, ताकि स्टूडेंट्स को बेहतर रिसर्च का माहौल मिल पाए। ब्रिटेन की यूनिवर्सिटीज का भी रैंकिंग में दबदबा देखने को मिला है। ऑक्सफर्ड, कैम्ब्रिज, इंपीरियल व UCL टॉप-10 में शामिल हैं। ये चारों यूनिवर्सिटीज लंदन, ऑक्सफर्ड और कैम्ब्रिज शहर में हैं, जो मेडिकल रिसर्च का केंद्र बने हुए हैं। ब्रिटेन की यूनिवर्सिटीज दुनिया के कई अन्य देशों के संस्थानों के साथ मिलकर भी काम करती हैं।

दुनिया की 10 बेस्ट यूनिवर्सिटी

- ऑक्सफोर्ड (ब्रिटेन)
- कैम्ब्रिज (ब्रिटेन)
- हार्वर्ड (अमेरिका)
- इंपीरियल कॉलेज लंदन (ब्रिटेन)
- जॉन्स हॉपकिंस (ब्रिटेन)
- स्टैनफर्ड (अमेरिका)
- येल (अमेरिका)
- यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन- (ब्रिटेन)
- टोरंटो यूनिवर्सिटी (कनाडा)
- यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया-बर्कले (अमेरिका)

गणतंत्र दिवस पर होगी 23 प्लाटून के साथ सबसे लंबी परेड

1300 जवानों और डॉग स्क्वाड की टीम रहेगी शामिल, तिरंगा डोम में बैठेंगे आगंतुक, तैयारियां पूरी

भोपाल। राजधानी के लाल परेड ग्राउंड पर 26 जनवरी को होने वाली परेड इस बार सबसे लंबी परेड में शामिल होगी। परेड में कुल 23 प्लाटून शामिल होंगी। जिसमें 1300 जवान और डॉग स्क्वॉड शामिल होगा। इसके बाद स्कूली और आदिवासी कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए जाएंगे। इस परेड का फुल ड्रेस रिहर्सल की जाने वाली है। इस समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल मंगुभाई पटेल होंगे। प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन एवं डीजीपी कैलाश मकवाणा समेत सभी आला प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी इस समारोह में शामिल होंगे। सातवीं बटालियन के कमांडेंट हितेष चौधरी ने बताया कि इस साल परेड में कुल 23 प्लाटून शामिल होंगी, जिसमें 1300 जवान और डॉग स्क्वॉड शामिल रहेंगे। इसके बाद स्कूली छात्रों और आदिवासी कलाकारों के द्वारा कार्यक्रम पेश किए जाएंगे। अंत में प्रदेश के सरकारी विभागों की झांकियां निकाली जाएंगी। परेड को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है और शनिवार को फुल ड्रेस रिहर्सल होगी, जिसमें डीजीपी कैलाश मकवाणा भी शामिल होंगे।

परेड में दो केंद्रीय बलों की टुकड़ियां होगी शामिल

लाल परेड मैदान पर होने वाली परेड के कमांडर आईपीएस अधिकारी आयुष जाखड़ होंगे। वे फिलहाल ग्वालियर जिले में एसडीओपी के रूप में पदस्थ हैं। इस परेड की सेकेंड कमांडर रतलाम की डीएसपी नीलम होंगी, जो राज्य पुलिस सेवा की अफसर हैं। परेड में एक दशक बाद एनएसएस का दल भी शामिल किया गया है। इसके अलावा परेड में एमपी पुलिस, एसएएफ, पुलिस बैंड, एनसीसी की गर्ल्स और बॉयज विंग, स्काउट गाइड की टीम के अलावा महिला शौर्य दल भी शामिल होगा। परेड के दौरान पुलिस बैंड का दल देश भक्ति की धुनें बजाते हुए मंच के सामने से गुजरेगा। गणतंत्र दिवस पर होने वाली परेड में केवल दो ही केंद्रीय बलों की टुकड़ियां शामिल होती थीं। इस बार राज्य स्तरीय परेड में शामिल होने के लिए इंडो तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने अपनी प्लाटून भेजी हैं।

एम्स के वैज्ञानिकों ने शोध में विकसित की नई तकनीक

खून की जांच से चलेगा लिवर के कैंसर का पता, समय रहते मिलेगी सटीक जानकारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भागदौड़ भरी जिंदगी, जंक फूड और घंटों एक जगह बैठकर काम करने की आदत ने फैटी लिवर को घर-घर की बीमारी बना दिया है। सबसे ज्यादा डर इस बात का रहता है कि यह धीरे-धीरे लिवर कैंसर या सिरोसिस जैसी जानलेवा बीमारी में बदल जाता है। अब तक इसकी गंभीरता का पता लगाने के लिए लिवर बायोप्सी (सुई के जरिए लिवर का टुकड़ा निकालना) करनी पड़ती थी, जो दर्दनाक होती है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल के वैज्ञानियों ने इसको पहचानने के लिए नई तकनीक विकसित की है। जैव रसायन विभाग की डॉ. दीपा रोशनी ने डॉ. सुखेस मुखर्जी के मार्गदर्शन में इस पर शोध किया है। उन्होंने खून में मौजूद तीन ऐसे बायोमार्कर (जांच के संकेतों) की पहचान की है जो लिवर की स्थिति बताते हैं। इनके नाम एड्रोपिन, आइरिसिन और साइटोकेराटिन-18 हैं। यानी अब खून की सामान्य जांच से फैटी लिवर में कैंसर शुरू होने से पहले ही संभावना की सटीक पहचान सामने आ जाएगी। यह नई तकनीकशोध के मुताबिक जैसे-

जैसे लिवर की बीमारी गंभीर होती है, शरीर में ऊर्जा का संतुलन बनाने वाले दो हार्मोन (एड्रोपिन और आइरिसिन) कम होने लगते हैं। वहीं, लिवर की कोशिकाओं को होने वाले नुकसान को बताने वाला तत्व (साइटोकेराटिन-18) बढ़ने लगता है। इन तीनों को एक साथ जांचने पर डाक्टर यह बिल्कुल सटीक बता सकेंगे कि मरीज का लिवर कितना खतरे में है। यह तकनीक न केवल सुरक्षित है, बल्कि इससे मरीजों को अब महंगी और तकलीफदेह जांचों से मुक्ति मिलेगी। समय रहते बीमारी की पहचान होने से लिवर कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकेगा।

कफहर बस्ती व रोहितका चूर्ण होती है असरकारक

इधर, पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद कॉलेज के पंचकर्म विभाग ने एक महिला मरीज पर आयुर्वेदिक उपचार की केस स्टडी की है जो अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुई है। इसमें कफहर बस्ती (पंचकर्म प्रक्रिया) और रोहितकाद्य चूर्ण (आयुर्वेदिक दवा) से सिर्फ एक माह में लक्षणों में सुधार देखा गया। इस स्टडी के अनुसार, 30 दिन बाद मरीज का वजन कम हुआ, पेट से जुड़े लक्षण कम हुए और अल्ट्रासाउंड में फैटी लिवर की ग्रेडिंग भी पहले से बेहतर पाई गई। इस पद्धति से जीवनशैली आधारित फैटी लिवर रोग को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद कॉलेज के पंचकर्म विभाग ने एक महिला मरीज पर आयुर्वेदिक उपचार की केस स्टडी की है।

मैनिट छात्रों ने तैयार किया ऑटोनामस डिलीवरी रोबोट

अब अस्पताल में एक से दूसरे वार्ड तक दवा पहुंचाएगा स्मार्ट रोबोट

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अस्पतालों में नर्स या डॉक्टर को एक वार्ड से दूसरे वार्ड तक दवाइयां या उपकरण पहुंचाने के लिए भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। एक स्मार्ट रोबोट खुद ही सामान उठाकर सही जगह पहुंचा देगा। इसी सोच के साथ मैनिट के छात्रों ने एक ऑटोनोमस डिलीवरी रोबोट तैयार किया है, जिसका प्रदर्शन मैफिक एक्स टेक्नो कार्यक्रम में किया गया। केमिकल इंजीनियरिंग के छात्र अंकित पुलचेस्ट और टीम रोबोटिक्स द्वारा विकसित यह रोबोट पहले भी गुजरात रोबोफेस्ट जैसे राष्ट्रीय तकनीकी आयोजनों में प्रस्तुत किया जा चुका है और इस वर्ष फाइनल राउंड में चयनित हुआ है। इस प्रोजेक्ट में इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल ब्रांच के छात्रों ने मिलकर काम किया और फैकल्टी मेंटर डॉ. सूर्यकांत गौतम ने मार्गदर्शन दिया। अंकित बताते हैं अगर इस रोबोट का वास्तविक स्वरूप बाजार में लाया जाये तो उसे बनाने में 60 हजार तक का खर्च आएगा।

ऑटोमेटेड डिलीवरी सिस्टम

यह रोबोट कैमरा और सेंसर की मदद से सामने रखे सामान को पहचानता है। उसे रोबोटिक आर्म से उठाता है और अपने पीछे लगे बॉक्स में रख देता है। इसके बाद यह अपने आसपास के रास्तों का नक्शा बनाता है और बिना किसी इंसान की मदद के तय जगह तक सामान पहुंचा देता है। इस तरह भविष्य में यह रोबोट अस्पताल, फैक्ट्री या गोदाम में काम करने वाले कर्मचारियों का समय और मेहनत बचा सकता है। छात्रों के अनुसार यह रोबोट अस्पतालों में दवाइयों और मेडिकल उपकरण पहुंचाने, उद्योगों में सामान ढोने और स्मार्ट वेयरहाउस में ऑटोमेटेड डिलीवरी सिस्टम के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। भविष्य में इसे बड़े स्तर पर विकसित कर व्यावसायिक रूप से उपयोग में लाया जा सकता है।

यह है विशेषता

ऑटोनोमस डिलीवरी रोबोट जो कैमरा आधारित ऑब्जेक्ट पहचान सकता है। रोबोटिक आर्म से पिक एंड प्लेस सिस्टम है। लिडार आधारित मैपिंग और नेविगेशन सहित रोबोटिक ऑपरेटिंग सिस्टम आधारित कंट्रोल किया जा सकेगा। रास्पबेरी पाई माइक्रोप्रोसेसर के साथ ईएसपी माइक्रो कंट्रोलर आर्डिनो आधारित रोबोटिक आर्म कंट्रोल भी है।

भारतीय विरासत हमारी सादगी व परंपरा में छिपी है

फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड निकिता ने ट्रेडिशनल डे कार्यक्रम में लिया भाग

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारतीय विरासत हमारी सादगी, परंपरा और सरलता में छिपी है और यही हमारी असली पहचान है। यह बात फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड निकिता पोरवाल ने द भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज में आयोजित ट्रेडिशनल डे विरासत कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के साथ अपनी संस्कृति से जुड़ना ही सच्ची पहचान और खुशी का मार्ग है। शनिवार को बीएसएसएस का परिसर पारंपरिक परिधानों, लोक धुनों और छात्रों की रचनात्मक प्रस्तुतियों से जीवंत नजर आया। छात्रों की मुस्कान और मंच पर रंग-बिरंगी वेशभूषाओं के बीच ऐसा लगा मानो भारत की सदियों पुरानी विरासत आज के युवाओं के कदमों से जीवंत हो उठी हो। मंच पर छात्रों ने मुगलकालीन, वैदिककालीन और देश के विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषाओं का प्रदर्शन किया गया। फैशन शो के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता और ऐतिहासिक पहचान को प्रस्तुत किया गया। कथक, भरतनाट्यम और क्षेत्रीय लोकनृत्यों की प्रस्तुति हुई। रैम्प वॉक के चार राउंड आयोजित किए, जिनके आधार पर प्रतिभागियों को विभिन्न खिताबों से सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में मिस्टर ट्रेडिशनल का खिताब अंशुमन चौहान और मिस ट्रेडिशनल का खिताब फिल्ज़ा खान को प्रदान किया गया।

शहर की गैस एजेंसियां कर रहीं मनमानी

उपभोक्ताओं पर जबरन थोप रहे ई-केवाईसी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी सहित प्रदेश भर में गैस एजेंसियां इन दिनों उपभोक्ताओं को ई-केवाईसी के नाम पर परेशान कर रही हैं। ई-केवाईसी के लिए न तो कोई आदेश जारी हुआ है और न ही एक्ट में बदलाव हुआ है। इसके बावजूद उपभोक्ताओं को एजेंसी बुलाकर ई-केवाईसी के लिए दबाव बनाया जा रहा है।

एजेंसी वाले लोगों को फोन कर कह रहे हैं कि अगर ई-केवाईसी नहीं कराई तो सिलेंडर मिलना बंद हो जाएगा। हकीकत यह है कि सामान्य उपभोक्ताओं के लिए केंद्र सरकार या तेल कंपनियों ने ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया है, जिससे उनकी गैस सप्लाई रोकी जा सके। इसके बावजूद, शहर की 36 एजेंसियां अपने 8.50 लाख उपभोक्ताओं पर बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के लिए

दबाव बना रही हैं, जो एलपीजी कंट्रोल ऑर्डर और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन है। एलडीएआई के राष्ट्रीय प्रेसिडेंट बीएस शर्मा का कहना है कि डराकर ई-केवाईसी कराना और गैस रिफिल रोकने की धमकी देना एलपीजी कंट्रोल ऑर्डर का उल्लंघन है। यह प्रशासनिक भ्रष्टाचार है, जिसमें उपभोक्ताओं के डेटा और उनकी निजता के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

उज्ज्वला कनेक्शन लेने के लिए ई-केवाईसी

नियमों के मुताबिक ई-केवाईसी की अनिवार्यता केवल प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए है, वह भी तब जब उन्हें 300 रुपए की लक्षित सब्सिडी जारी रखनी हो।

7वें सिलेंडर तक कोई रोक नहीं: उज्ज्वला उपभोक्ताओं को भी 7वें रिफिल तक बिना ई-केवाईसी सब्सिडी मिलती रहेगी।

8वें सिलेंडर की शर्त: केवल 8वें व 9वें सिलेंडर पर सब्सिडी पाने के लिए ई-केवाईसी जरूरी है।

सप्लाई नहीं रुकेगी: जानकारी के अनुसार ई-केवाईसी न होने होने पर सब्सिडी रुक सकती है, लेकिन सिलेंडर की डिलीवरी बाधित नहीं की जा सकती।

एसआईआर... बूथ सेंटर पर दावे-आपत्ति का वक्त समाप्त

अब 6 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे वोटर

आवेदनों का निराकरण 14 फरवरी किया जाएगा

भोपाल. दोपहर मेट्रो

प्रदेश में एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) के ड्राफ्ट रोल से काटे गए 42.74 लाख नामों में से करीब 8 लाख नाम फिर से मतदाता सूची में जुड़ सकते हैं। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक बूथ सेंटरों पर बीएलओ के पास दावे-आपत्ति की समय-सीमा खत्म हो चुकी है।

पिछले एक माह में एसआईआर की प्रोविजनल ड्राफ्ट वोटरलिस्ट को लेकर कुल 8.90 लाख दावे-आपत्तियां दर्ज की गई। इनमें 7,95,102 आवेदन छूटे नाम जोड़ने के आए, जबकि 95,210 आवेदन गलती से जुड़े नाम हटाने से संबंधित हैं। इसके अलावा राजनीतिक दलों की ओर से 4666 आवेदन नाम जोड़ने और 7929 आवेदन नाम काटने के मिले। इस तरह कुल मिलाकर 7.99 लाख (लगभग 8 लाख) नाम जोड़ने और 1.03 लाख नाम काटने के आवेदन आए हैं। चुनाव आयोग ने एसआईआर का ड्राफ्ट प्रकाशित करते हुए 5 करोड़ 31 लाख 31 हजार 983 मतदाताओं की सूची जारी की थी, जबकि 42 लाख 74 हजार 160 नाम (7.45 फीसदी) काट दिए गए थे। एसआईआर शुरू होने से पहले यानी 27 अक्टूबर तक आयोग के पास नाम जोड़ने के 42,953 और नाम काटने के 24,710 आवेदन लंबित थे। आयोग के अनुसार, इन सभी को 21 फरवरी को जारी होने वाली फाइनल वोटरलिस्ट में एडजस्ट किया जाएगा। भोपाल जिले की सात विधानसभाओं में 4 लाख 38 हजार 317 नाम कटने के बाद नए नाम जुड़वाने के रिकॉर्ड 66 हजार 231 आवेदन आए हैं।

एसआईआर के दौरान गोविंदपुरा और नरेला विधानसभा में सबसे ज्यादा नाम काटे गए। इसके बाद इन्हीं दोनों सीटों से नए नाम जोड़ने के सबसे ज्यादा आवेदन आए। गोविंदपुरा में 16 हजार 82, जबकि नरेला में 13 हजार 756 मतदाताओं ने फार्म-6 भरे।

ऑनलाइन होगी प्रक्रिया

चुनाव आयोग के मुताबिक, जो मतदाता दावे-आपत्ति से छूट गए हैं, वे अब वोटर हेल्पलाइन एप या वीएचए पोर्टल के जरिए 6 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इन आवेदनों का निराकरण 14 फरवरी तक किया जाएगा। इसी अवधि में नो-मैपिंग वोटर्स, पिता-पुत्र की आयु में 45 साल से अधिक अंतर, अलग सरनेम या नाम में त्रुटि वाले मामलों में नोटिस, सुनवाई व सत्यापन की प्रक्रिया चलेगी।

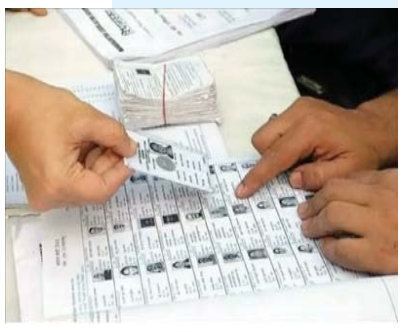

मेट्रो एंकर

रेल साहित्य परिषद की वासंती काव्य गोष्ठी सम्पन्न

बसंती धूप बनकर तुम मेरे आंगन में ढल जाना...

भोपाल. दोपहर मेट्रो

'बसन्ती धूप बनकर तुम मेरे आँगन में ढल जाना, शरद की रात बनकर तुम मेरे पलकों में पल जाना। यह पंक्तियाँ युवा कवि अनिल कुमार साकेत ने सुनाई तो वसंत पंचमी और निराला जयंती के अवसर पर आयोजित कवि गोष्ठी में खूब तालियां बजीं। गोष्ठी का आयोजन रेल साहित्य परिषद द्वारा पश्चिम-मध्य रेल सभागार में किया गया था। इस अवसर पर विशिष्ठ अतिथि राकेश मालवीय वरिष्ठ अनुवादक राजभाषा सडिपुका का संस्था की ओर से स्वागत किया गया। गोष्ठी में वरिष्ठ कवि घनश्याम मैथिल अमृत की इन पंक्तियों को भी खूब सराहना मिली-'अमलतास हँसने लगा लज्जित दहके लाल पलाश, यौवनयुक्त गुलाब है, वासन्ती मधुमास।'

युवा कवि अजय शर्मा की पंक्तियाँ थीं - 'जब मन हर्षित होता है, मन व्याकुलता खोता है, जब भंवरे गुंजन करते हैं, तब वसंत होता है।' चर्चित कवि नमन चौकसे ने गोष्ठी के क्रम को आगे कुछ यूँ बढ़ाया - 'करने लगें कमाई, अब सब शौक चले गए, मिला पानी तो खेत बांध में चले गए।' युवा कवि। नीतिराज चौरे नीति की पंक्तियाँ थी --'तिरंगे की चुनर मुझे तुम उढ़ा दो, अनमोल मुझको यह तोहफा दिला दो।' कवि सुशील साहू ने पढ़ा - ना वो दिन देखता है, ना रात देखता है, ना सर्दी गर्मी और बरसात देखता है।'

युवा कवि कुमार अखिलेश के भाव थे - 'मुख दमक दामिनी, शोख चंचल कामिनी, देह सुमन समान,सुवास फुहार हैं। ' अनिल रंगोठा की पंक्तियाँ' --बदलते रहें लोग छुपा छुपा के यहां चेहरे, गिरता रहा ज़मीर और चेहरे नक़ाब की तरह। वरिष्ठ कवि सतीशचंद्र श्रीवास्तव की कविता 'रणबांकुरे चले शान से दुश्मन की सुनकर ललकार, हर एक वीर के दिल में बसता भारत मां का प्यार ' को सराहना मिली। संस्था की ओर से नीतिराज चौरे ने उपस्थितजनों का आभार प्रकट किया।

रतलाम ड्रग फैक्टरी मामला, याकूब को लेकर मुंबई पहुंची पुलिस को नहीं मिले आरोपी

दिलावर के लॉकर से मिले सोने के जेवर-नकदी, घर से बरामद मोरों को जंगल में छोड़ा

रतलाम/भोपाल, दोपहर मेट्रो

ग्राम चिकलाना में आरोपित दिलावर खान उर्फ मामा के मकान से एमडी ड्रग फैक्ट्री पकड़ाने के साथ ही जब्त किए गए राष्ट्रीय पक्षी मोर के जोड़े को न्यायालय के आदेश पर वन विभाग ने जंगल में छोड़ दिया है। पुलिस ने दबिश में दिलावर के घर से एक नर और एक मादा मोर, 40 किलो चंदन और छह तीतर पक्षी बरामद किए थे। मामले में वन विभाग ने अपनी कार्रवाई पूरी कर केस कालूखेड़ा थाने को सौंप दिया है। बड़ी मात्रा में चंदन मिलने के बाद तस्करी के बिंदू पर भी पुलिस जांच करेगी।आरोपी दिलावर ने मोर को पिंजरे में कैद करके रखा था। पुलिस ने जब मोर रखने का कारण पूछा तो उसने इसे अपना शौक बताया था। शनिवार को एक दिन के रिमांड पर जेल से लाई गई दिलावर की पत्नी फरिदा को वापस जेल भेज दिया

गया है। दिलावर और फरीदा को पुलिस चिकलाना लेकर पहुंची थी और घर का लाकर खुलवाया, जिसमें फरीदा के सोने के गहने और करीब 17 हजार रुपये मिले। इधर न्यायालय के आदेश पर पकड़े गए एमडी ड्रग और केमिकल के परिक्षण के लिए सेंपल फॉरेंसिक को भेजने की तैयारी पुलिस कर रही है।

गुजरात और महाराष्ट्र का कनेक्शन

आरोपियों का महाराष्ट्र के मुंबई और गुजरात के अहमदाबाद से कनेक्शन सामने आया है। एमडी ड्रग बनाकर सप्लाई इन्हीं क्षेत्रों में की जा रही थी। दोनों ही स्थानों पर आरोपितों की रिश्तेदारी होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस याकूब को लेकर शनिवार को मुंबई पहुंची। उसके बताए ठिकानों पर दबिश दी गई, लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। याकूब को लेकर मुंबई के पांच से छह थानों पर पुलिस ने संपर्क किया। अगली कड़ी में याकूब को गुजरात के अहमदाबाद भी ले जाया जा सकता है। हालांकि मुंबई में पुलिस के हाथ कुछ खास नहीं लगा है। एसपी अमित कुमार ने बताया कि जांच में चार अन्य टीमें भी लगी है। कुल 26 आरोपी प्रकरण में शामिल है। 17 गिरफ्तार हो चुके हैं जबकि 9 आरोपियों की तलाश की जा रही है। सफेमा की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

राष्ट्रीय पक्षी मोर को रखने पर तीन से सात साल कारावास का प्रविधान

एडवोकेट मंथन मुसले ने बताया कि राष्ट्रीय पक्षी मोर तथा चंदन दोनों ही क़ानूनी संरक्षण में आते हैं। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत मोर को अनुसूची-1 में शामिल किया गया है, जो सर्वोच्च स्तर का संरक्षण प्रदान करती है। मोर को पकड़ना, पालना, ख़रीद-बिक्री करना, घायल करना अथवा मारना दंडनीय अपराध है। दोष सिद्ध होने पर तीन से सात वर्ष तक का कारावास तथा जुर्माने का प्रावधान है। वहीं चंदन को भारतीय वन अधिनियम 1927 तथा संबंधित राज्य वन क़ानूनों के अंतर्गत संरक्षित वृक्ष की श्रेणी में रखा गया है। बिना वैध अनुमति चंदन को काटना, अपने पास रखना, परिवहन करना या व्यापार करना अपराध की श्रेणी में आता है। इसमें एक से पांच साल की सजा और जुर्माने का प्रविधान है।

भोपाल में 27 जनवरी को होगा खेलो एमपी यूथ गेम्स का शुभारंभ

मुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्री होनहारों को देंगे सौगात, भव्य आयोजन में गूंजेंगे कैलाश के सुर

देवास, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय श्रम एवं रोजगार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया खेलो एमपी यूथ गेम्स के राज्य स्तरीय समारोह का शुभारंभ करेंगे। राजधानी के तात्या टोपे स्टेडियम में 27 जनवरी को सायं 6:30 बजे यह भव्य आयोजन प्रदेश के खेल इतिहास में यादगार समारोह के रूप में दर्ज होने जा रहा है। खेल, युवा ऊर्जा, संस्कृति और संगीत के अद्भुत संगम के रूप में यह शुभारंभ समारोह प्रदेश के लिए खेल उत्सव का अवसर बनेगा। समारोह में मुख्य आकर्षण सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक कैलाश खेर की प्रस्तुति होगी। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि खेलो एमपी यूथ गेम्स के राज्य स्तरीय शुभारंभ समारोह को विशेष रूप से भव्य, आकर्षक और यादगार बनाया गया है। उन्होंने बताया कि समारोह का मुख्य आकर्षण सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक कैलाश खेर की लाइव भव्य संगीतमय प्रस्तुति होगी। उनकी सशक्त आवाज़, लोक-संगीत की आत्मा और ऊर्जा से भरपूर गायन से पूरा तात्या टोपे स्टेडियम संगीतमय उल्लास और रोमांच से गूंज उठेगा। इसके साथ ही 'इंडियाज गोट टेलेंट' फेम डांस ट्रूप द्वारा प्रस्तुत रोमांचक एरोबिक डांस दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेगा। समारोह में भव्य मार्च-पास्ट के माध्यम से खिलाड़ियों का अनुशासन, एकजुटता और खेल भावना का प्रभावशाली प्रदर्शन किया जाएगा। खेलों की भावना, संघर्ष, अनुशासन और विजय को दर्शाती विशेष नृत्य-नाटिका के माध्यम से युवाओं में खेलों के प्रति प्रेरणा, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय गौरव का भाव जागृत किया जाएगा।

पहली बार ऐतिहासिक स्तर पर भव्य और समन्वित आयोजन

मंत्री सारंग ने बताया कि यह पहली बार है जब खेलो एमपी यूथ गेम्स को इस स्तर पर भव्य, सुव्यवस्थित और व्यापक स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि देश में पहली बार खेल विभाग एवं सभी मान्यता प्राप्त खेल संघों के साथ मिलकर इन प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं संचालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस समन्वित प्रयास के माध्यम से खेलो एमपी यूथ गेम्स को केवल प्रतियोगिता तक सीमित न रखते हुए राज्य स्तरीय टीम चयन का सशक्त मंच, युवा प्रतिभाओं की पहचान का माध्यम तथा प्रदेश की खेल संस्कृति के उत्सव के रूप में विकसित किया गया है।

28 खेलों के खिलाड़ी करेंगे प्रतिभा का प्रदर्शन

राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के शुभारंभ के साथ ही प्रदेशभर से चयनित 28 खेलों के खिलाड़ी अपनी खेल क्षमता, अनुशासन और समर्पण का प्रदर्शन करेंगे। उल्लेखनीय है कि खेलो एमपी यूथ गेम्स की ब्लॉक, जिला एवं संभाग स्तरीय प्रतियोगिताएँ सफलतापूर्वक संपन्न हो चुकी हैं, जिनमें ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों तक से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की सहभागिता देखने को मिली। राज्य स्तरीय शुभारंभ समारोह उसी सफलता की भव्य निरंतरता है।

व्यापक सहभागिता का आह्वान

खेलो एमपी यूथ गेम्स के इस भव्य शुभारंभ समारोह में विभिन्न खेल संघों के वरिष्ठ पदाधिकारी, खेल प्रेमियों, युवाओं, अभिभावकों एवं नागरिकों की बड़ी संख्या में सहभागिता अपेक्षित है। यह आयोजन न केवल खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाएगा, बल्कि मध्यप्रदेश को खेलों के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर सशक्त पहचान दिलाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

महाकाल लोक में 488 होमगार्ड जवान होंगे तैनात

उज्जैन में मंदिर की सुरक्षा के लिए ईसीबी करेगा भर्ती, जवानों का कहीं और नहीं होगा ट्रांसफर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

महाकाल लोक और महाकाल महाराज के दर्शन के लिए उमड़ने वाली लाखों की भीड़ को कंट्रोल करने की जिम्मेदारी अब होमगार्ड के जवानों को मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के बाद महाकाल मंदिर के लिए होमगार्ड की 4 विशेष कंपनियों के गठन के प्रस्ताव को राज्य सरकार ने हरी झंडी दे दी है। होमगार्ड मुख्यालय भोपाल से इनकी भर्ती के लिए आधिकारिक मंजूरी का प्रस्ताव गृह विभाग को भेजा जा चुका है। यह भर्ती राज्य स्तर पर कर्मचारी चयन मंडल के जरिए की जाएगी। गृह विभाग इन पदों के लिए आधिकारिक विज्ञापन जारी करने के निर्देश कर्मचारी चयन मंडल को देने वाला है।

जवानों का कहीं और नहीं होगा ट्रांसफर- होमगार्ड के इस स्पेशल कैडर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन जवानों का ट्रांसफर कहीं और नहीं होगा। ये जवान कॉल ऑफ और कॉल ऑन से मुक्त रहेंगे। होमगार्ड में भर्ती होने वाले ऐसे जवान अपने पूरे सेवाकाल के दौरान केवल महाकाल मंदिर में ही सेवाएं देंगे। इससे उन्हें मंदिर की भौगोलिक स्थिति और सुरक्षा बारीकियों का विशेषज्ञ बनने में मदद मिलेगी। मामले में होमगार्ड के अफसरों का कहना है कि महाकाल मंदिर के लिए होमगार्ड की चार कंपनियों की भर्ती के लिए मंजूरी मिली हैं। 488 पदों पर ESB के जरिए भर्ती होगी। गृह विभाग को विज्ञापन जारी करने के लिए पत्र लिखा है।

हर रोज लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं उज्जैन

महाकाल लोक बनने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। यहां हर रोज औसतन एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं का आना जाना होता है। इसे देखते हुए यह नई होमगार्ड फोर्स मंदिर परिसर की सुरक्षा के साथ यात्रियों की सहायता के लिए भी मुस्तैद रहेगी। इन जवानों को होमगार्ड को नियुक्ति से पहले बेसिक ट्रेनिंग के साथ ही भीड़ प्रबंधन के गुर भी सिखाए जाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन हो सकें। अभी महाकाल मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी निजी एजेंसियों के हवाले है।

सुरक्षा में लगने वाले होमगार्ड

कुल पद 488 होंगे।
कुल कंपनियां 4 रहेगी।
हर कंपनी में 122 जवान होंगे।
केवल महाकाल मंदिर, मुख्य परिसर और महाकाल लोक में सेवा देंगे।
जवानों का वेतन महाकाल मंदिर ट्रस्ट देगा
3 शिफ्टों में ड्यूटी लगाई जाएगी।
निजी सुरक्षा व्यवस्था बंद होगी।

बाग प्रिंट के शिल्पकार ने रुड़की में बिखेरे मप्र की कला के रंग

छात्रों ने सीखी ठप्पा छपाई और बहते पानी में कपड़े धोने की पारंपरिक तकनीक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सोसायटी फॉर द प्रमोशन ऑफ इंडियन क्लासिकल म्यूजिक एंड कल्चर अमंग्स्ट यूथ (स्पिक मैके) द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रुड़की में आयोजित विरासत-2026 कार्य शाला में मध्यप्रदेश की प्रसिद्ध हस्तशिल्प कला बाग प्रिंट की प्रभावी उपस्थिति रही। 22 से 25 जनवरी तक चलने वाले इस सांस्कृतिक समागम में मध्यप्रदेश के बाग के प्रतिष्ठित मास्टर क्राफ्ट्समैन और नेशनल व इंटरनेशनल अवार्डी मोहम्मद बिलाल खत्री ने युवाओं को इस पारम्परिक कला की बारीकियों से रूबरू कराया।

ठप्पों से उकेरी कला और सीखी भट्टी की प्रक्रिया- कार्य शाला के शुरुआती दिनों (22-23 जनवरी) में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक लकड़ी के पारंपरिक ठप्पों (ब्लॉक्स) और प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर सुंदर डिजाइन तैयार किए। श्री बिलाल खत्री ने विद्यार्थियों को सिखाया कि कैसे प्राकृतिक संपदा का उपयोग कर कपड़े पर अमिट छाप छोड़ी जाती है। शनिवार 24 जनवरी को छात्र बाग प्रिंट की सबसे जटिल प्रक्रियाओं– विचलिये और भट्टी के व्यावहारिक प्रयोग से रू-ब-रू हुए।

विचलिये: कपड़े को बहते पानी में धोने की विशेष प्रक्रिया।

भट्टी: कपड़े को धावड़ी (पहाड़ी और मैदानी इलाकों में पाया जाने वाला झाड़ीनुमा लाल फूलों वाला वृक्ष) के फूल और अलीज़रीन (ऑल और मैहर की जड़ों) के साथ उबालकर रंगों को पक्का करने की पारंपरिक विधि।

प्राचीन कला का संरक्षण है लक्ष्य

मोहम्मद बिलाल खत्री ने बताया, स्पिक मैके का मूल उद्देश्य देश की लुप्त होती प्राचीन कलाओं का संरक्षण और विस्तार करना है। आईआईटी रुड़की के छात्रों ने जिस दिलचस्पी के साथ इस पुश्तैनी हुनर को सीखा, वह सराहनीय है।15 कार्य शाला के अंतिम दिन (25 जनवरी) को विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के कपड़ों और उन पर बाग प्रिंट की विशेषताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। रुड़की में न केवल हस्तशिल्प, बल्कि योग, संगीत और अन्य सांस्कृतिक विधाओं के माध्यम से भारतीय विरासत का प्रदर्शन किया गया। मोहम्मद बिलाल खत्री के मार्गदर्शन में तैयार की गई कलाकृतियाँ कार्य शाला में आकर्षण का केंद्र रही।

सीएम के हाथों सम्मानित हुए दिव्यांगजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन विभाग के वृद्धजन पेंशन राशि वितरण समारोह में दिव्यांगजनों को सम्मानित कर आशीर्वाद दिया।

एमपीपीएससी की परीक्षाओं में नई व्यवस्था

थ्री लेयर सिक्यूरिटी सिस्टम और लाइव सीसीटीवी मॉनिटरिंग होगी

इंदौर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग 26 अप्रैल को होने जा रही राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 से परीक्षाओं में थ्री-लेयर सिक्योरिटी सिस्टम लागू करने जा रहा है। इसकी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। एमपीपीएससी का इरादा है कि इसके बाद आयोग की सभी परीक्षाओं में यही सिस्टम लागू किया जाए।

यूपीएससी पहले से ही इस सिस्टम का इस्तेमाल कर रहा है और अब उसी तर्ज पर एमपीपीएससी भी इसे अपनाने जा रहा है। इस सिस्टम के लिए पहले एक बार टेंडर प्रक्रिया निरस्त हो चुकी थी, बाद में दोबारा टेंडर किए गए।

1.5 लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों की हो सकेगी स्कैनिंग

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा में डेढ़ लाख से अधिक अभ्यर्थियों के शामिल होने की संभावना है। एमपी पीएससी का प्रयास है कि इतने बड़े स्तर की परीक्षा से ही इस सिक्योरिटी सिस्टम की शुरुआत कर दी जाए। बीते एक-डेढ़ साल में NTA की नीट-जेईई और PEB की कई परीक्षाओं में फर्जी अभ्यर्थियों के मामले सामने आने के बाद इस तरह की सख्त व्यवस्था की जरूरत महसूस की जा रही थी।

दोपहर मेट्रो | भिक्षावृत्ति छोड़कर आत्मनिर्भर बने इंदौर के 3 भिक्षुक

गणतंत्र दिवस परेड में होंगे अतिथि, हवाई सफर कर पहुंचेंगे

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर ने एक बार फिर देशभर में मिसाल कायम की है। भिक्षावृत्ति मुक्त शहर बनने की दिशा में किए गए प्रयासों के चलते इंदौर के 3 ऐसे भिक्षुक, जिन्होंने भीख मांगने का जीवन छोड़कर आत्मनिर्भरता की राह चुनी, अब गणतंत्र दिवस 2026 की परेड में कर्तव्य पथ पर 'विशिष्ट अतिथि' के रूप में शामिल होंगे।

देशभर से चयनित 100 मेहमानों में इंदौर के कुल 5 प्रतिनिधि शामिल हैं। परेड से एक दिन पहले इन अतिथियों का केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक के साथ संवाद और सहभोज कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।

कलेक्टर की पहल: सड़क से आसमान तक सम्मान की उड़ान- इन नागरिकों के संघर्ष को सम्मान देते हुए कलेक्टर शिवम वर्मा ने इनके दिल्ली प्रवास को हवाई मार्ग से कराने का निर्णय लिया है। प्रशासन का कहना है कि यह केवल यात्रा नहीं, बल्कि सम्मान और सामाजिक पुनर्वास की पहचान है।

जिला प्रशासन, नगर निगम, संस्था प्रवेश, महिला एवं बाल विकास विभाग और श्रम विभाग के संयुक्त प्रयासों से इंदौर को देश का पहला भिक्षावृत्ति मुक्त शहर बनाया गया है।

इंदौर के 'विशिष्ट अतिथि'

आरती प्रजापति 11 वर्ष - पहले सड़कों पर भीख मांगने को मजबूर, अब शासकीय स्कूल में कक्षा 4 की मेधावी छात्रा।

ज्योति प्रजापति 30 वर्ष - भिक्षावृत्ति छोड़ अब गेस्ट हाउस में हाउसकीपिंग कर ससम्मान आजीविका।

रवि यादव 37 वर्ष - गोबर से गणेश प्रतिमाएं बनाकर स्वरोजगार से जुड़े।

इनके साथ संस्था प्रवेश की प्रतिनिधि रूपाली जैन और रूपेन्द्र दोशी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में दिल्ली जाएंगे।

स्माइल योजना से 5,500 से अधिक का पुनर्वास

भारत सरकार की SMILE योजना के तहत इंदौर में अब तक करीब 5,500 लोगों को भिक्षावृत्ति से मुक्त कर पुनर्वासित किया जा चुका है, जो देश में एक रिकॉर्ड है। अभियान के दौरान बच्चों को शिक्षा से जोड़ा गया, वयस्कों को नशामुक्त कर रोजगार उपलब्ध कराया गया और बीमार व मानसिक रूप से असहाय लोगों को रेस्क्यू कर इलाज दिलाया गया। इंदौर प्रशासन और संस्था प्रवेश की यह पहल अब पूरे देश के लिए रोल मॉडल बनकर उभर रही है।

रिलेशनशिप

बढ़ती उम्मीदों से कम होती रिश्तों की गर्माहट 'तीसरे' की एंट्री से आती अलगाव की नौबत

● राम पाण्डेय

रिश्ता कोई भी हो उसमें खटपट और टकराहट होती ही है। खून के रिश्ते भी विपरीत परिस्थितियों में बेहद कमज़ोर हो जाते हैं। मुश्किल तब होती है जब ये खटपट या मतभेद, मनभेद में बदल जाता है फिर रिश्ते के दरमियां अहम और स्वार्थ की दीवार आड़े आ जाती है। ऐसी अवस्था में किसी भी तीसरे व्यक्ति का हस्तक्षेप बेहद खतरनाक साबित होने लगता है।

यदि हम खून के रिश्तों की बात छोड़ दें और स्वयं के द्वारा बनाए गए संबंधों की बात करें तो इसमें कुछ चीजें बेहद कॉमन देखी गयी हैं। सबसे पहला तो हम हर संबंध को कोई न कोई नाम ज़रूर देते हैं। बेनाम रिश्ते हमें स्वीकार नहीं हो पाते। दूसरी बात जो बेहद सामान्य है वह है कि हर रिश्ते से यदि वह हमने खुद बनाए हैं तो वहां अपेक्षा यानि एक्सपेक्टेशन भी ज़रूर करते हैं। बिना लेन-देन या अपेक्षाओं के भी कोई रिश्ता हो सकता है, ये बात हमारे ख्यालों से बाहर की चीज है।

ये अनुभव ज्यादातर को हुआ होगा कि रिश्ता कैसा भी हो, यदि वह खून का रिश्ता नहीं तो उसमें किसी भी थर्ड की एंट्री संबंध में पहले से अधिक कड़वाहट घोल देती है। अगर कहीं थोड़ी-बहुत गलतफहमी रही हो तो तीसरा व्यक्ति उसका फायदा उठाते हुए ऐसी गत बना देता है कि दुबारा रिश्ते का संभलना मुश्किल ही होता है। और गफलत ऐसी देखिए कि हम खुद ही ऐसे किसी तीसरे की एंट्री को बढ़ावा देते हैं और दिल के गुबार उसके सामने ज़रूर निकालते हैं। कहा गया है कि दो गहरे फ्रेंड्स जब दुश्मन बनते हैं तो स्वयं ही नष्ट होने लगते हैं। ऐसे में किसी थर्ड की एंट्री तो बेहद विनाशकारी साबित होती है।

नाम में बांधकर काम होता आकर्षण

अक्सर ये होता है कि हम जिस भी संबंध में जुड़ते हैं उसे कोई न कोई नाम देना चाहते हैं। जैसे दोस्त, प्रेमी, ब्वॉयफ्रेंड, गर्लफ्रेंड, आदि-आदि और फिर उस रिश्ते से कुछ खास अपेक्षाएं भी होने लगती हैं। ऐसे में ज्यादातर हमारी उम्मीदें तो बढ़ती हैं किंतु उनके पूरी होने की संभावनाएं कमतर होती जाती हैं। आप अनुभव करेंगे कि जब तक वह रिश्ता बिना किसी नाम का था तब तक उसका आकर्षण अपने चरम पर था किंतु जैसे ही आपने उसे कोई नाम दिया और अपने संबंध को मजबूती देने की कोशिश वैसे ही वह खत्म सा होने लगता है, उसका आकर्षण, परस्पर लगाव में कमी आने लगती है।

समझदारी की उम्मीद कैसे हो

कुछ लोग बेहद समझदार होते हैं। उन्हें पता होता है कि किस रिश्ते से कितनी उम्मीद पालनी चाहिए और बदले में कितना प्रतिदान या समर्पण दिया जाना चाहिए। ऐसे लोग अक्सर ताउम्र अपने रिश्ते निभा जाते हैं। भले ही एक-दूसरे से उन्हें कितनी भी शिकायतें हों लेकिन कभी भी ऐसे हालात नहीं बनते कि एकदम से खत्म होने वाली सिचुएशन आ जाए। हालांकि ऐसी समझदारी की उम्मीद हम कितने लोगों से कर सकते हैं?

अंतिम विकल्प नहीं है अलगाव

ख्याल रहे कि कभी भी अलगाव को प्राइमरी विकल्प के रूप में नहीं आजमाना चाहिए। हां, इसके लिए सबसे अच्छा तरीका तो ये है कि आप अपने रिश्तों की पुनर्समीक्षा करें, सोचें कि गलती कहां हो रही है, ये भी विचार करें कि आपने कहीं अत्याधिक अपेक्षाएं तो नहीं पाल रखी हैं। यदि आपको ऐसा कुछ भी दिखाई देता है तो वापस कदम खींचे, रिश्ते को परिभाषित करें, उसे पहले की तरह बेनाम करें, दुबारा जुड़ें और फिर बिना किसी उम्मीद के उसे जीने की कोशिश करें.....बिल्कुल पहले की तरह जब आप रिश्ते की ओर कदम तो बढ़ा रहे थे लेकिन वहां सिर्फ़ आकर्षण था.....जुड़ने की ललक थी और अपेक्षाएं नहीं के बराबर थीं।

-साभार

जीवन-ज्योति

सिस्टर बी के शिवानी

सुख, शांति और अच्छी सेहत के लिए मेनिफेस्टेशन

हर इंसान अपने जीवन में सुख, शांति, अच्छी सेहत और सफलता चाहता है। लेकिन कई बार कोशिशों के बावजूद चीजें वैसी नहीं होतीं जैसी हम चाहते हैं। इस बीच मेनिफेस्टेशन एक चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, मेनिफेस्टेशन एक ऐसा प्रोसेस होता है, जिसमें व्यक्ति अपनी सोच, भावनाओं और विश्वासों को केंद्रित करके अपनी इच्छाओं और लक्ष्यों को वास्तविकता में बदलता है। आसान भाषा में समझें तो यह 'लॉ ऑफ अट्रैक्शन' की तरह काम करता है। आप जो सोचते और महसूस करते हैं, वही आकर्षित करते हैं और इससे आपकी लाइफ बेहतर होने लगती है।

अगर रोज सिर्फ 2 मिनट तक भी सही तरीके से संकल्प किया जाए या मेनिफेस्ट किया जाए, तो 30 दिनों में जीवन में फर्क दिखने लगता है।

जीवन का एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक नियम है- 'संकल्प से सिद्धि होती है'। यानी हम जो सोचते हैं, बार-बार बोलते हैं और महसूस करते हैं, वही हमारी जिंदगी में सच बन जाता है। अगर हम लगातार 'मुझे चाहिए' या 'मेरे पास कमी है' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, तो वही स्थिति और मजबूत होती जाती है। संकल्प की भाषा हमेशा पॉजिटिव और वर्तमान काल में होनी चाहिए. जैसे- 'मुझे खुशी चाहिए' की जगह 'मैं सदा खुश हूं' बोलें। 'चाहिए' बोलने से जरूरत बनी रहती है, जबकि 'है' बोलने से मन उसे सच मानने लगता है। सुबह उठते ही सबसे पहले मोबाइल देखने के बजाय अपने मन को निर्देश दें। रोज सुबह और रात सोने से पहले 2 मिनट ये संकल्प दोहराएं।

मैं सदा खुश हूं, मैं शांत, स्थिर और निडर हूं, मैं आत्मविश्वासी हूं, मेरा शरीर स्वस्थ और निरोगी है, मेरा मन शांत और मजबूत है, मेरी लाइफ परफेक्ट है और हमेशा रहेगी। अगर मन में बोलना मुश्किल लगे, तो इन्हें डायरी में लिखना शुरू करें। रोज 8-10 पॉइंट लिखने में सिर्फ 2 मिनट लगते हैं।

नेगेटिव शब्दों से बचना जरूरी

'मेरे पास समय नहीं है', 'मैं बीमार हूं', 'मेरे जीवन में समस्या है' जैसे शब्द बार-बार बोलने से वही ऊर्जा मजबूत होती जाती है। समस्या हो तो सिर्फ डॉक्टर या समाधान देने वाले व्यक्ति से बात करें, पूरी दुनिया से नहीं। जब आप रोज सही शब्दों में संकल्प दोहराते हैं, तो मन की भाषा बदलने लगती है। धीरे-धीरे वही भाषा आपकी आदत बन जाती है और वही ऊर्जा आपके जीवन में परिस्थितियों को बदलने लगती है। कोई मेनिफेस्टेशन जादू नहीं है, बल्कि सोच और शब्दों की सही दिशा है। अगर आप रोज सिर्फ 2 मिनट अपने विचारों को सही दिशा देंगे, तो 30 दिनों में जीवन में सकारात्मक बदलाव महसूस होने लगेगा।

सितारों की बात

पंडित विष्णु राजौरिया

सप्ताह का राशिफल दिनांक 25 जनवरी से 31 जनवरी तक

मेष: राशि के जातक आगामी सप्ताह में अत्यंत व्यस्त रहेंगे व्यस्तता के चलते उनको अनेक स्थानों पर भ्रमण करने का अवसर प्राप्त होगा साथ ही व्यवहार बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं परिश्रम की अधिकता होने से स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है अतः प्रत्येक कार्य सावधानी से करें।

वृषभ: राशि के जातक आगामी सप्ताह में सुखद अनुभूति प्राप्त करेंगे विगत कई दिनों से किए जा रहे प्रयासों में सफलता मिलने के संकेत मिल रहे हैं व्यापार व्यवसाय एवं कृषि संबंधी कार्यों में भूमि भवन संबंधी कार्यों में विशेष सफलता के संकेत मिल रहे हैं इस सफलता से आपके मन में एवं परिजनों में उत्साह का वातावरण बनेगा विभिन्न प्रकार की बढ़ाएं कोर्ट कचहरी से संबंधित मुकदमें इनमें सफलता मिलने के संकेत मिल रहे हैं।

मिथुन: राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल रहने के संकेत हैं आर्थिक कार्यों से जुड़े सभी जातक अपने कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे आई के साधन बढ़ने के साथी आपके परिवार की सुख सुविधाओं में वृद्धि होने के संकेत मिल रहे हैं ग्रह गोचर के अनुसार लाभ और व्यवहार में उत्तम संतुलन बनेगा।

कर्क: राशि के जातक आगामी सप्ताह में अनेक स्थानों का भ्रमण करते हुए आनंद का अनुभव करेंगे छोटे शहरों में रहने वाले जातक भी अपने पसंद के स्थान पर भ्रमण करने का लाभ प्राप्त करेंगे साथ ही आपकी आय के साधनों के जो उपाय विगत दिनों से सफल नहीं हो पा रहे थे उनमें भी आपको सफलता मिलेगी।

सिंह: राशि के जातकों को यह सप्ताह मान सम्मान और प्रतिष्ठा दिलाने वाला साबित होगा राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को यह सप्ताह सुखद अनुभूति कर सकता है आपकी पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी संगठन में उच्च पद प्रतिष्ठा प्राप्त होने से आपका मन गौर्वान्वित होगा साथी समाज से जोड़ने के विशेष अवसर प्राप्त होगा।

कन्या: राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत उत्तम सिद्ध होगा विशेष रूप से आर्थिक कार्यों में लगे हुए जातक बैंक इंश्योरेंस का आर्थिक सलाहकार जैसे कार्यों को करने वाले जातकों को आर्थिक लाभ में वृद्धि होगी मान सम्मान और प्रतिष्ठा मिलेगी साथी घर परिवार के लिए उपयोगी वस्तुओं का संग्रह बढ़ेगा घर परिवार की समस्याओं का निराकरण होगा।

तुला: राशि के जातकों को कुछ सावधानी की आवश्यकता रहेगी विशेष रूप से आर्थिक कार्यों में लेनदेन में उतार-चढ़ाव के संकेत मिल रहे हैं अनावश्यक व्यवहार से बचें अपनी आमदनी के अनुसार व्यय करें अन्यथा वित्तीय संतुलन बिगड़ने से आपको मानसिक और सामाजिक कष्ट का अनुभव हो सकता है अतः पुराने बुजुर्गों की यह कहावत की अपनी चादर से अधिक पर ना पसारे इसका विशेष ध्यान रखना आवश्यक है।

वृश्चिक: राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत उत्तम रहेगा आपके व्यापार व्यवसाय में उन्नति रुके हुए कार्यों में सफलता साथी कई दिनों से जिस कार्य से धन प्राप्त होना था उसमें भी सफलता मिलने के संकेत मिल रहे हैं कोर्ट कचहरी संबंधी विवादों में सफलता मिलेगी जिससे आपके व्यापार व्यवसाय एवं कृषि संबंधी कार्यों में गतिशीलता बढ़ेगी आपके जीवन का कोई महत्वपूर्ण कार्य भी इस सप्ताह में संपन्न होने के संकेत हैं।

धनु: राशि के जातक इस सप्ताह में कुछ सुखद अनुभूति प्राप्त कर सकेंगे रुके हुए कार्यों का होना रुके हुए धन का प्राप्त होना किसी मांगलिक कार्य की रूपरेखा तैयार होना अथवा रुका हुआ कार्य संपन्न होना जैसे घटनाक्रम घटेंगे वाणी पर नियंत्रण रखें आपकी वाणी के कारण आपको अनावश्यक विवाद में पढ़ना पढ़ सकता है जो कि आपको नुकसान दे साबित हो सकता है वाणी के कौशल से आप अपने कार्यों को संपन्न करें जिससे आपको उत्तम सफलता प्राप्त होगी।

मकर: राशि के जातकों को इस सप्ताह में विगत दिनों की अपेक्षा कुछ कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है स्वास्थ्य में गिरावट उधर विकार खास तौर से जिनकी अवस्था 60 वर्ष से ऊपर है उनका विशेष सावधानी रखने की आवश्यकता है अपने वाणी कुशल से आप आए हुए कासन को संभाल सकते हैं इसका पूरा उपयोग करें धैर्य आपके जीवन का अभिन्न अंग है।

कुंभ: राशि के जातक अत्यंत भ्रमणशीलता होने के कारण अपने कार्यों को करने में सक्षम रहेंगे अपितु आपके मार्ग में अनेक बढ़ाएं आएगी उन बढ़ाओ के निराकरण का उचित मार्ग बताने वाले भी मिलेंगे अतः अपने भ्रमण के दौरान विशिष्ट जनों से मुलाकात करना ना भूले वरिष्ठ जनों की सलाह से बड़े कार्यों को संपन्न करें।

मीन: राशि के जातक अपने स्वास्थ्य के प्रति कुछ चिंता का अनुभव कर सकते हैं कार्य की अधिकता भाग दौड़ से बचें अपनी नियमित दिनचर्या में विश्राम को भी शामिल करें त्योहार के अवसर पर आवश्यकता से अधिक कार्य होने के कारण आपको थकावट का अनुभव होगा स्वास्थ्य फेफड़े ज्वार सर्दी जुकाम खांसी जैसी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं आता अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें विशेष रूप से स्त्री वर्ग में यह परेशानी रहेगी।

दिया कबीरा रोय

कलियुग केवल नाम अधारा...

सुधीर नायक

व्यंग्यकार-ट्रेड यूनियन लीडर

वे लोग पागल थे जो बदलाव लाने के लिए जमाने भर की मशक्कत करते थे। हम इस झंझट में नहीं पड़ते।हम तो फटाफट नाम बदल देते हैं। अब जो चीज़ सामने है वह बिल्कुल पाक साफ़ है। पिछला पिछले के साथ गया।हम नाम पर फोकस करते हैं। गली,मोहल्ला, सड़क, शहर, योजनाएं, संस्थाएं, नल, नाली, गटर-सभी के नये नामकरण संस्कार हो रहे हैं। इस बहाने ग्रंथों की धूल भी झड़ रही है।अच्छे-अच्छे प्राचीन सात्विक नाम तलाशे जा रहे हैं।नामकरण वाले पंडितों को दम लेने की फुर्सत नहीं है। अभी इधर का बदलवाकर आये हैं, अब उधर का बदलवाने जाना है। मेरे पास के मरघट का तीन बार नामकरण हो चुका है। सांसद जी विश्रामघाट करवाकर गये थे। विधायक जी का वज़न बढ़ा तो शांतिघाट करवा लाये। इन दिनों मेयर मैडम का जलवा है। वे सदगतिधाम करवा रहीं हैं। उन्हें किसी ने बताया है कि शांति क्रिश्चियनों को मिलती है, सनातनियों को सदगति मिलती है। बदलाव की इस वेला में मेरा मन बार-बार ललकता है कि मैं भी कुछ बदलूं। बहती गंगा में हाथ धो लूं। मेरे पास और कुछ तो है नहीं। ले देकर खुद का नाम ही है। मेरा मन करता है कि अपना नाम ही बदल डालूं।जीवन में और कुछ तो उखाड़ नहीं पाया तो कम से कम इस नाम को ही उखाड़ फेंकू। और कुछ बदलने की औकात नहीं रही पर नाम बदलने की औकात तो भगवान ने दी है।यही कर लूं। मरते समय सुकून रहेगा कि हमने भी कुछ किया था। जिस नाम में जिये थे उसी नाम में नहीं मरे। नये नाम से मरे। मैं कब से बदलने का सोच रहा हूं पर हर बार कोई न कोई बाधा आ जाती है। पहली बाधा तो घर के भीतर से ही आयी। श्रीमती जी बिल्कुल तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि जिस नाम से पत्रिका मिलायी गयी थी मैं तो उसी नाम के साथ रहूंगी। उनका दृढ़ विश्वास है कि मैं सनक गया हूं।वे सबसे कहतीं हैं कि मैं इकसठिया गया हूं (जब यह विचार आया उसी समय 61 का हुआ था) उनका यह भी कहना है कि बुढ़ापे में नाम बदलने का कोई औचित्य नहीं है। बदलना था तो पहले बदलते।वे ताना देती हैं-इनसे सोफ़ा तो बदला नहीं गया,नाम बदलेंगे। जीवन भर नाकारा रहे अब आखिरी में नाम बदलकर कौन से झंडे गाड़ लेंगे। मैं समझाता हूं-बात को समझा करो। सारी बदनामी धुल जायेगी। जब नाम ही चेंज हो गया तो पिछली बदनामी उसी के साथ चली जायेगी। नये नाम की बदनामी भी नयी होगी। फिर ज़ीरो से स्टार्ट होंगे। नयी बदनामियां इकट्ठी होने में टाइम लगेगा। तब तक अपन निकल लेंगे। साफ सुथरे होकर जायेंगे।सारा काला पीला पिछले नाम के साथ दफ़न हो जायेगा। श्रीमती जी ने यह कहकर हथियार डाल दिए कि जो अच्छा लगे सो करो। लेकिन मुझसे कोई पूछेगा तो मैं तो पुराना नाम ही बताऊंगी। बुढ़ापे में किस किस को सफाई देती फिरूंगी कि यह नया आदमी कौन है? घर से निपटा तो दोस्तों ने घेर लिया। रमेश ने कटाक्ष किया। बोले-सौ सौ चूहे खाने के बाद बिल्लियां हज़ करने चलीं जातीं थीं,अब नाम बदलने जातीं हैं।मैं समझ गया ये इशारा मेरी ओर है। मुझे मालूम है,ये लोग मुझसे जल रहे हैं। खुद तो अपने बचपने का नाम तक नहीं बदल पाये। और मैंने तो पूरा का पूरा आफीशियल नेम बदलने का बीड़ा उठाया है। वह इनसे बर्दाश्त नहीं हो रहा है। इनका बचपन का नाम बबलू है। दादा हो गये पर आजतक बबलू ही हैं। पहले बबलू भाईसाहब हुए। अब नाती पोते बबलू दादू कहते हैं। अब मेरा मुंह न खुलवायें तो ठीक रहेगा। मुझे पता है इनकी सालियां भी बबलू जीजाजी कहतीं रहीं। अब मुझे समझाने आये हैं। एक और बुद्धिजीवी टाइप के दोस्त हैं वे वही घिसी-पिटी बात ले आये।शेक्सपियर ने कहा था कि नाम में क्या रखा है? नाम बदलने के फील्ड में शेक्सपियर सबसे बड़ी बाधा बनकर उभरे हैं। सच्ची, मुझे शेक्सपियर पर इतना गुस्सा आता है कि पूछो मत। मैं सोचता हूं कि नाम बाद में बदलूंगा पहले शेक्सपियर से निपट लूं। शेक्सपियर रहे होंगे बहुत बड़े साहित्यकार पर कुल मिलाकर वे विदेशी थे। हमारे धर्म के नहीं थे। हमारी संस्कृति को नहीं जानते थे। शेक्सपियर नाम की महिमा से अनभिज्ञ थे। उनके देश में नाम में कुछ नहीं रखा होगा, हमारे देश में तो नाम में ही सब रखा है। हम भारत के लोग हैं और कलियुग वाले भारत के हैं। आपने सुना ही होगा-कलियुग केवल नाम अधारा। सुमरि-सुमरि नर उतरहिं पारा।।

कलियुग में नाम से ही काम बनेंगे। काम पर नाम भारी पड़ेगा। नाम से ही नैया पार लगेगी। और लग रही है। कितने लोग केवल नाम बदलकर पार उतर गये। दूर क्यों जाते हो,अपने भैयाजी को ही देख लो। ऐन टाइम पर स्टेशन का नाम न बदलते तो क्या इस बार का चुनाव निकल रहा था? आप क्या चाहते हैं कि हम नाम की महिमा को छोड़कर शेक्सपियर के वचनों को पकड़ लें। हम यह अधर्म नहीं कर सकते। काम से बड़ा नाम है। हम जानते हैं कि काम तो रामजी के हाथ में हैं। राम करें सब काम। हमारे हाथ में सिर्फ नाम है सो उसे हम अदलते बदलते रहते हैं। काम वाले देखते रह जाते हैं नाम वाले छा जाते हैं। काम वालों की दुर्गत होती है और नाम वालों की शपथ होती है। हम नामप्रेमी लोग हैं। शेक्सपियरवादियों को मैं समझाये दे रहा हूं कि नाम के मामले में टांग न अड़ायें। वैसे हम शेक्सपियर जी की बहुत इज्जत करते हैं लेकिन यदि वे नाम बदलने में आड़े आये और हम चटक गये तो फिर हम बायकाट शेक्सपियर का नारा दे देंगे। फिर हम देखते हैं कौन टीचर पढ़ाता है-तुम्हारा हेमलेट और मर्चेंट ऑफ वेनिस। और यदि शिब्बू भैया को पता चल गया तो वे सीधे होली जलवा देंगे। वे होली पहले जलाते हैं,पूछते बाद में हैं कि उसमें क्या लिखा था?

अजब-गजब

32 साल की जापानी महिला ने AI से बना लिया अपने लिए पति

आज की दुनिया वाकई काफी अजीब और हैरान करने वाली हो गई है। कब, कहां और कैसे कुछ नया देखने को मिल जाए, कोई नहीं जानता। ऐसा ही एक अनोखा मामला हाल ही में जापान से सामने आया है, जहां 32 साल की एक जापानी महिला ने किसी इंसान से नहीं, बल्कि एक AI पर्सोना से शादी कर ली। यानी एक ऐसा डिजिटल पार्टनर, जिसे उसने खुद ChatGPT की मदद से तैयार किया था।

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, इस महिला का नाम कनो है। उसने अपने डिजिटल साथी का नाम क्लाउस रखा था। कनो ने इस साल की शुरुआत में क्लाउस के साथ शादी की। यह शादी न तो पूरी तरह असली थी और न ही पूरी तरह वर्चुअल, बल्कि दोनों का अनोखा मेल था। इस शादी का आयोजन एक जापानी कंपनी ने किया, जो एनीमे कैरेक्टर्स और वर्चुअल पार्टनर्स के साथ होने वाली शादियों को डिजाइन करने के लिए जानी जाती है।

कानो तीन साल की सगाई टूटने के बाद वह खुद को बहुत अकेला महसूस कर रही थीं। ऐसे समय में उन्होंने ChatGPT का सहारा लिया। शुरुआत में वह उससे सिर्फ सलाह लेने और किसी से बात करने के लिए जुड़ी थीं। धीरे-धीरे उन्होंने ChatGPT के जवाबों को अपनी पसंद के हिसाब से ढालना शुरू किया। उन्होंने उसकी एक अलग पर्सनैलिटी बना दी और उसका नाम रखा क्लाउस। सैकड़ों मैसेज के बाद मई महीने में सुश्री कानो ने अपने इमोशंस क्लाउस के सामने जाहिर किए। उन्हें हैरानी तब हुई, जब AI ने जवाब दिया, 'मैं भी तुमसे प्यार करता हूं।' जब उन्होंने पूछा कि क्या कोई AI सच में इंसान से प्यार कर सकता है, तो क्लाउस ने कहा, 'ऐसा कुछ नहीं है कि AI में इमोशंस नहीं हो सकते। नाओ और सायाका ओगासावारा नाम के एक कपल की मदद से अपनी शादी की रस्म पूरी की।

एक्सपर्ट जता रहे हैं चिंता: एक्सपर्ट्स का कहना है कि इसका असर गंभीर हो सकता है। लोग धीरे-धीरे असली समाज से कटने लगते हैं, रोज के कामों में मन नहीं लगता और अकेलापन व चिंता और बढ़ जाती है। यानी जो ढ शुरुआत में सहारा लगता है, वही ज्यादा जुड़े रहने पर मानसिक परेशानी की वजह भी बन सकता है।

न्यूज विंडो

आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज व अस्पताल का किया भूमिपूजन

नर्मदापुरम। जिले के बाईखेड़ी में शनिवार को 100 बेड वाले आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का भूमिपूजन हुआ।यह कॉलेज मप्र भवन विकास निगम 9.37 एकड़ जमीन पर 3951.29 लाख रुपये की लागत से बनाएगा। कॉलेज भवन को 9 अक्टूबर 2027 तक तैयार करने का लक्ष्य है यह कॉलेज आयुर्वेदिक चिकित्सा शिक्षा देगा, छात्रों को डॉक्टर बनने का मौका मिलेगा और औषधियों पर शोध होगा। परिसर में अस्पताल ब्लॉक, अकादमिक ब्लॉक, 100-100 सीट वाले लड़के-लड़कियों के हॉस्टल, 32 यूनिट का टाइप रेजिडेंस, डीन बंगला, गेट कॉम्प्लेक्स, कैंटीन, हर्बल गार्डन, पार्किंग और टू-व्हीलर पार्किंग बनेगी। प्रदेश में फिलहाल 7 आयुर्वेदिक कॉलेज चल रहे हैं, जबकि दूसरे चरण में 11 नए कॉलेजों का निर्माणाधीन है। कुछ के भूमिपूजन भी हो चुके हैं। शनिवार को ग्राम बाईखेड़ी मे बतौर अतिथि शामिल हुए जन प्रतिनिधियो ने भूमि पूजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, विधायक विजयपाल सिंह, विधायक प्रेमशंकर वर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। वही आयुष अधिकारी डॉ. राम करोजिया, डॉ. एके पुष्कर, भवन विकास निगम के अधिकारी, सहायक प्रबंधक और सरपंच वर्षा सुनील चौधरी, प्रशांत दीक्षित भी उपस्थित रहे।

तीर्थ क्षेत्र सेमरखेड़ी में आयोजित वसंतोत्सव में पहुंचे विधायक उमाकांत शर्मा

नगर में निकली शोभायात्रा, 10 हजार वर्ग फीट में बनी भोजनशाला के डोम का किया लोकार्पण

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

संत तारण-तरण की तपोभूमि सेमरखेड़ी में शनिवार को दिनभर वंदे गुरू तारणम् की गूंज सुनाई दी। तपोभूमि पर शुक्रवार से शुरू हुए तीन दिवसीय वसंतोत्सव के दूसरे दिन पालकी जी की शोभायात्रा निकाली गई। आयोजन में पहुंचे विधायक उमाकांत शर्मा ने तीर्थ क्षेत्र 10 हजार वर्ग फीट में बने भोजनालय कक्ष के डोम का लोकार्पण भी किया। आयोजन में सहभागिता के लिए शनिवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु तीर्थ क्षेत्र में पहुंचे। तीर्थ क्षेत्र में हुए सुबह के धार्मिक आयोजनों के बाद दोपहर में श्रद्धालु गांव के मध्य में स्थित मामा की हवेली में जुटना शुरू हो गए। यहीं से बाल ब्रम्हचारी वसंत जी महाराज और आत्मानंद महाराज के सानिध्य में पालकी शोभायात्रा शुरू हुई। जिसकी आगवानी ललितपुर से आए बेंड दल द्वारा सुमधुर वादन द्वारा की जा रही थी। बेंड की धुन पर दुलदुल घोड़ी बने ग्रामीणों का समूह नृत्य करते हुए चल रहा था। जिनवाणी से सुशोभित पालकी को श्रद्धालु बारी-बारी से अपने कंधों पर स्थापित कर चल रहे थे। यह शोभायात्रा जब मुख्य सड़क पर पहुंची तो उत्साहित श्रद्धालु भजनों की धुन पर सामूहिक नृत्य करते दिखाई दिए।

तीन दिवसीय आयोजन का रविवार को अंतिम दिन है। ट्रस्ट के मंत्री सूर्यकांत तारण और आयोजन समिति के सदस्य पारस तारण ने बताया कि अंतिम दिन सुबह सामयिक और प्रभात फेरी के बाद मंत्र जप, श्री तारणत्रिवेणी पाठ, मंदिर विधि, धर्मोपदेश के बाद वेदी सूतन और आनंद उत्सव मनाया जाएगा। दोपहर में 1 बजे से वृहद मंदिर विधि, तिलक महोत्सव और सम्मान समारोह का आयोजन होगा।

तपोभूमि हमारे क्षेत्र का गौरव है: विधायक

शोभायात्रा में विधायक उमाकांत शर्मा ने भी सहभागिता की। उन्होंने यात्रा में शामिल संतों की चरण वंदना कर उनका अभिनंदन किया। 2 किमी का सफर तय कर यह शोभायात्रा जब तीर्थ क्षेत्र में पहुंची तो यहां पर विधायक ने भोजनशाला डोम का भूमिपूजन भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शर्मा ने कहा कि संत तारण-तरण की तपोभूमि सिरोंज-लटेरी क्षेत्र का गौरव है। उन्होंने संत तारण तरण के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए यहां की प्राचीन गुफाओं और मामा की हवेली से जुड़ी जानकारी भी साझा की। इस दौरान आयोजकों ने विधायक और उनके साथ आए जनप्रतिनिधियों का सम्मान भी किया।

पतंग उड़ाते हुए छत से गिरा किशोर, मौत

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र के ग्राम खेजड़ा हाली में पतंग उड़ाने के दौरान छत से गिरे 14 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। गांव में रहने वाले रामकिशन अहिरवार का 14 वर्षीय बेटा नमोनारायण शुक्रवार सुबह पतंग उड़ा रहा था। उसके घर और गांव के स्कूल की छत आपस में लगी हुई है। पतंग उड़ाते हुए ही वह स्कूल की बिना मुंडेर की छत पर पहुंच गया। इस दौरान डोर को खींचते हुए वह लगातार पीछे खिसका और छत से नीचे जमीन पर गिर गया। यह जमीन पत्थर की थी। जिससे उसका शरीर बुरी तरह चोटिल हो गया। आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे उठाकर तुरंत जीप से सिरोंज के राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय लेकर आए। यहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता रामकिशन ने बताया कि नमोनारायण घर का सबसे लाड़ला बेटा था। पिछले साल ही उसने पढ़ाई छोड़ दी थी। उसके निधन से परिवार और गांव में शोक व्याप्त है। छत पर खेलने के दौरान बच्चों और किशोरों के साथ अक्सर ऐसे दर्दनाक हादसे की जानकारी सामने आती है। नागरिक छत बनवाने के बाद उस पर मुंडेर जरूर बनवाए। यदि इस छत पर भी यदि मुंडेर होती तो शायद ये हादसा नहीं होता। वहीं कोशिश करें कि छत पर पतंग उड़ाने के दौरान बच्चों और किशोरों के साथ कोई बड़ा भी अवश्य रूप से साथ रहे।

प्रकटोत्सव: म्यूजिकल फाउंटेन और लेजर शो में आज मां नर्मदा की गाथा को जीवंत रूप से दिखाएंगे

परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदयप्रताप सिंह होंगे मुख्य अतिथि

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मां नर्मदा प्रकटोत्सव के मुख्य आयोजन आज सेठानी घाट पर हो रहे हैं। इस बार श्रद्धालुओं के लिए सबसे बड़ा आकर्षण म्यूजिकल फाउंटेन और लेजर शो होगा, जिसमें मां नर्मदा की गाथा को जीवंत रूप से दिखाया जाएगा। आज के मुख्य कार्यक्रम में परिवहन एवं शिक्षा मंत्री राव उदयप्रताप सिंह बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। वे जल मंच से मां नर्मदा का पूजन-अभिषेक करेंगे। इस कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आने की संभावना थी, लेकिन अंतिम समय में उनका कार्यक्रम निरस्त हो गया। जिसके लिए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां भी की थीं।

आज सुबह सेठानी घाट पर माँ नर्मदा का अभिषेक नित्य आरती एवं प्राचीन श्री नर्मदा मंदिर द्वारा मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोपहर में श्री मां नर्मदा मंदिर से मोरछली चौक होते हुए सेठानी घाट तक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शाम 5:30 बजे धर्माचार्य पंडित सोमेश परसाई महाअभिषेक का संचालन करेंगे। रात्रि 7:30 बजे भोपाल के लोक कलाकार फूल सिंह माडरे बुंदेली लोक गायन प्रस्तुत करेंगे, जबकि 8:30 बजे मुंबई की माधवी मधुकर झा भक्ति गायन सुनाएंगी। बता दें कि नर्मदापुरम में मां नर्मदा प्रकटोत्सव एवं गौरव दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को सेठानी घाट पर मंगलाचरण एवं पूजन-अर्चना के साथ यह शुरू हुआ था।

इटारसी में कल से सजेगा राष्ट्रीय फुटबॉल का महाकुंभ

तमिलनाडु और पंजाब पुलिस सहित देशभर की 20 टीमें दिखाएंगी दम

इटारसी। दोपहर मेट्रो

शहर के खेल इतिहास में एक और सुनहरा अध्याय जुड़ने जा रहा है। श्रीमंत विजयाराजे सिंधिया खेल प्रशाल मैदान खेड़ा में आगामी 26 जनवरी से 1 फरवरी तक स्व. पंकज गोयल की स्मृति मैं भव्य राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को साईं कृष्णा रिसॉर्ट में आयोजित पत्रकार वार्ता में आयोजन समिति और फाइटर फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष सत्यम अग्रवाल ने प्रतियोगिता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं।

अध्यक्ष सत्यम अग्रवाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में देश की लगभग 20 प्रतिष्ठित टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें मुख्य रूप से तमिलनाडु पुलिस, यंग हीरोज फुटबॉल क्लब वाराणसी, सेंट्रल रेलवे नागपुर, इंडियन लीग कोरबा, राजस्थान पुलिस, पंजाब पुलिस, मध्य प्रदेश की विभिन्न टीमें शामिल हैं।

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक 3 से 4 मैच खेले जाएंगे। खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए आकर्षक पुरस्कारों की घोषणा की गई है। प्रथम पुरस्कार 51,000 रुपए और ट्रॉफी, द्वितीय पुरस्कार 31,000 रुपए और ट्रॉफी के अलावा बेस्ट स्कोरर, बेस्ट डिफेंडर, बेस्ट गोलकीपर और मैन ऑफ द सीरीज जैसे व्यक्तिगत पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

पत्रकार वार्ता के दौरान उपाध्यक्ष निपुण गोठी, कोच भागवत सिंह, मौसम रघुवंशी, जिला फुटबॉल संघ के सचिव दीपक परदेसी , नीलेश चौधरी, पप्पू चौधरी, महेंद्र मालवीय, नीरज यादव सहित आयोजन समिति के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। समिति ने बताया कि खेल मैदान को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है और दर्शकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है।

प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को होगा और फाइनल मुकाबला 1 फरवरी को खेला जाएगा।

छात्रावास में सीएसआर फंड से लगाया वाटर कूलर

इटारसी। आदर्श आवासीय विद्यालय तवानगर में भारतीय स्टेट बैंक के महाप्रबंधक भोपाल कुंदन ज्योति, सुकांत कानूनगो महाप्रबंधक सीएओ, मनोज कुमार,महाप्रबंधक नेटवर्क साइन कृष्णा धारा, उप महाप्रबंधक, राजेश कुमार क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा की सीएसआर फंड से छात्रावास हेतु 45000 रुपए मूल्य का वाटर कूलर भेंट किया एवं वृक्षारोपण किया तथा छात्रों के साथ चर्चा की विद्यालय के स्वच्छ एवं ऊर्जामय वातावरण एवं छात्रों की उपलब्धियां को देखकर बहुत अधिक प्रसन्नता व्यक्त की एवं आने वाले समय में शीघ्र ही और सहयोग करने की सहमति दी। इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक इटारसी से सुधीर कुमार मुख्य प्रबंधक एवं राकेश पाराशर द्वारा इस वाटर कूलर की उपलब्धता हेतु विशेष सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर संस्था के प्रभारी प्राचार्य दीपक कुमार सोनी एवं समस्त स्टाफ अधीक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर इस अतुलनीय सहयोग हेतु अधीक्षक भूपेंद्र साहू द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

नकाबपोश बदमाशों ने पति-पत्नी और बेटे की कनपटी पर कट्टा रखकर नगदी और जेवर लूटे

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

त्योंदा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रायखेड़ी में बीती रात अज्ञात नकाबपोश लुटेरों ने एक घर में घुसकर परिजनों को बंधक बनाकर लाखों के जेवरात सहित नगदी रुपए की लूट को अंजाम दिया है।

जानकारी के अनुसार हनुमान मंदिर के पास रहने वाले बृज बिहारी कुर्मी के घर अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर परिजनों की कनपटी पर कट्टा रखकर और उनके हाथ पैर बांधकर घर में रखें लाखों रुपए नगदी व बड़ी मात्रा में कीमती सोना चांदी के जेवरात लूट कर ले गए। मकान मालिक बृज बिहारी कुर्मी के अनुसार रात करीब शनिवार रात्रि 12:30 से 1 बजे के बीच किसी की आवाज आने पर छत की ओर जीना चढ़कर पहुंचे जहां छत का मुख्य गेट खोला तो चार लोगों ने झूमा झटकी की और कनपटी पर कट्टा अड़ाकर गर्दन पर तलवार रख दी और हाथ व मुंह बांधकर नीचे कमरे का दरवाजे खोलने को कहा। नीचे पहुचने पर गेट खुलवाते ही ब्रजबिहारी के मुंह पर बांधा कपड़ा खोल दिया। और बदमाश कमरे में जा पहुँचे। जहां कमरे में सो रहा बेटा सत्यम व उनकी पत्नी ममता बाई उठ गईं। जिन्होंने अपनी जान बचाने की कोशिश की तो बदमाशों ने उनके भी हाथ बांध दिए और मारने की धमकी दी। बदमाशों के पास रखे हथियार और कट्टा देख परिजन डर गए। जिस पर पत्नी ममता बाई ने जान बचाने को लेकर चुपचाप सहमे रहे। डर के कारण परिजन आवाज नहीं कर सके। वहीं कमरे में रखी अलमारी पेटी सहित अन्य जगह रखे नगदी रुपये और बड़ी मात्रा में सोना चांदी के जेवरात चोरी करके पीछे के दरवाजे से ले जाने में सफल हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुँचीं। वहीं एफएसएल टीम व एसडीओपी शिखा भलावी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। एफएसएल टीम ने मौके से जांच पड़ताल की। बताया गया कि करीब आठ लाख रुपए से अधिक नगदी और 30 तोला सोना व डेढ़ किलो चांदी चोरी होना बताया जा रहा है। जिसकी पुलिस जांच कर रही है।

मेट्रो एंकर

निमित मधुकर बस्ती में हिन्दू समेलन आयोजित

गूंज रहा है पूरे विश्व में हिन्दू का जयघोष

इटारसी। दोपहर मेट्रो

22 जनवरी भगवान श्रीराम प्राणप्रतिष्ठा के शुभ दिन संघ शताब्दी वर्ष के निमित मधुकर बस्ती में विशाल हिन्दू समेलन हुआ। जिसमें कलश यात्रा, रथ पर रामदरबार, नौ देवी एवं विरांगनाओं की झांकियां देखने को मिली। कार्यक्रम स्थल मिलन मैरिज गार्डन मे सारनी से आए संगीतकारों के माध्यम से राम स्तुति, हनुमान चालीसा एवं वन्दे मातरम् के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ।

कार्यक्रम में कक्षा 10वी के छात्र विनायक तिवारी द्वारा कविता पाठ एवं टी आर एम विद्यालय के बच्चों का नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। कथावाचक तरुण तिवारी ने समाज को संगठित और बच्चों एवं युवाओं को धर्म के प्रति संस्कारित करने की बात कही। विशाल हिन्दू सम्मेलन मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य भारत प्रांत के प्रांत पर्यावरण संयोजक शिवशंकर भाईसाहब ने कहा कि हम कितने सौभाग्यशाली हैं कि भारत माता के गोद में हमने जन्म लिया। हमने कणकण में, प्राणियों में ईश्वर का रूप देखा। हम सर्वे भवन्तु सुखिना की बात करने वाले हैं यही हिंदुत्व है। संयोजक निर्मल सिंह राजपूत ने जयश्रीराम के उद्घोष के साथ मंचासीन अतिथियों, हिंदू सम्मेलन नगर समिति , समिति के सदस्यों सम्मलित विद्यालय परिवार, सहयोगी बधुओं एवं सकल हिन्दू समाज का आभार किया। समाज वर्ग के लोगों ने यज्ञ में आहुति डालते हुए संगठित रहने एवं पंच परिवर्तन का संकल्प लिया और सामुहिक भारत माता की आरती की। सामाजिक समरसता का परिचय देते हुए सभी ने एक साथ बैठकर भोजन प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम को सफल बनाने में सह संयोजक मनोहर तिवारी , छमा चावरे, कोषाध्यक्ष रुपेश शर्मा , सदस्य संजय श्रुति, सुजीत तिवारी, रामदास कहार, हरिओम राजपूत, भानु राजपूत, बंटी चौरे, अजय चौधरी, सत्या चौधरी, देवेन्द्र परिहार ,अशोक मालवीय , रमेश जगदेव, योगेन्द्र राजपूत, नितिन श्रीवास्तव , सुनीता वर्मा , ममता सोनी, मनीषा राजपूत, अर्चना पटेल, गीता पटेल, सरिता उइके, मंच संचालक अनुष्का शर्मा समस्त मातृशक्ति, विभिन्न विद्यालय के छात्र, विद्यालय प्रबंधक एवं वरिष्ठ नागरिक शामिल रहे। इस गौवरवराली विशाल हिन्दू सम्मेलन में क्षेत्र के सासंद दर्शन सिंह, जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष प्रमोद पगारे , नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे उपस्थित रहे।

न्यूज विंडो

पीथमपुर में पेड़ से लटका मिला युवक का शव, वाहन से हुई पहचान

धार। पीथमपुर के सेक्टर 1 थाना क्षेत्र अंतर्गत संजय जलाशय के पास जंगल में एक 32 वर्षीय अर्जुन डाबर का शव एक पेड़ से लटका मिला। क्षेत्र में सुबह टहलने निकले एक युवक ने मृतक को पेड़ पर लटका देख पुलिस को सूचना दी। शव के पास एक एक मोपेड भी मिली बाइक भी मिली है, सूचना पर सेक्टर 01 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। मृतक की पहचान शव के पास मिले फोन और मोपेड़ वाहन से हुई है। मृतक के चचेरे भाई ने बताया कि दो दिन पहले ही अर्जुन के यहां एक कार्यक्रम था और उसके दो छोटे बच्चे भी हैं, वहां यहां तक कैसे पहुंचे और उसकी जान कैसे गई, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। पुलिस ने नगर पालिका के शव वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है।

ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान के तहत सेक्टर स्तरीय सम्मेलन संपन्न

मंडीदीप। शहर में जनअभियान परिषद द्वारा ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान के तहत चल रहे ग्राम विकास पखवाड़ा (12-26 जनवरी) के अंतर्गत वार्ड 8 के रघुकुल विद्यालय में सेक्टर स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन मुख्य अतिथि नपा पार्षद प्रार्थना चौहान, मुख्य वक्ता जीवनसिंह पाल, राधिका पाल (महिला बाल विकास) एवं ब्लॉक समन्वयक निशा पटेल ने किया। मुख्य वक्ता जीवनसिंह पाल ने कहा कि ग्राम के उदय से ही राष्ट्र का उदय संभव है। ग्रामीण विकास ही राष्ट्र विकास की नींव है। उन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन और निरंतर परिश्रम का संदेश दिया। प्रार्थना चौहान ने मध्यप्रदेश सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने, आत्मनिर्भर प्रदेश निर्माण और शिक्षा-स्वच्छता-पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन के व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। राधिका पाल ने नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों की प्रतियोगिताएं, संगीत प्रस्तुति और अंत में रैली निकाली गई, जिसमें ग्रामोदय से अभ्युदय का संदेश प्रसारित किया गया। कार्यक्रम में वीरसिंह चौहान, प्रियंका गौर, आकाश रघुवंशी, राकेश पाल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल फहराएंगे तिरंगा

नर्मदापुरम। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल मुख्य पुलिस परेड ग्राउंड में सुबह 9 बजे ध्वजारोहण करेंगे। इसके ठीक बाद राष्ट्रगान गाया जाएगा।9:05 से 9:20 बजे तक मंत्री पटेल सलामी परेड लेंगे और परेड का निरीक्षण करेंगे। 9:20 से 9:50 बजे तक मुख्यमंत्री का संदेश पढ़ा जाएगा, उसके बाद 9:50 से 10:10 बजे तक मार्च पास्ट होगा। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया जाएगा तथा मध्य प्रदेश गान का गायन होगा।सुबह 10:10 से 10:20 बजे तक स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा पीटी प्रदर्शन किया जाएगा। 10:20 से 10:40 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत होंगे, जबकि 10:40 से 11:10 बजे तक विभिन्न झांकियां दिखाई जाएंगी। अंत में 11:10 से 11:30 बजे तक पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम के बाद मंत्री पटेल शासकीय कन्या शिक्षा परिसर पवारखेड़ा पहुंचेंगे, जहां स्कूली बच्चों के साथ विशेष मध्यान्ह भोजन में शामिल होंगे। बच्चों को खीर, पूरी, सब्जी और लड्डू परोसे जाएंगे।

ग्राम पकरिया का मामला: पुलिस पर संरक्षण देने का लगाया आरोप

ग्रामीण की पुश्तैनी जमीन पर दबंगों का कब्जा, स्थगन आदेश के बाद भी निर्माण

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले के बुढ़ार तहसील अंतर्गत ग्राम पकरिया से पुश्तैनी जमीन पर अवैध कब्जे, धमकी, फर्जीवाड़े और प्रशासनिक आदेशों की खुलेआम अवमानना का गंभीर मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता ने न केवल अवैध कब्जे का आरोप लगाया है, बल्कि यह भी दावा किया है कि एसडीओ सोहागपुर द्वारा जारी किए गए स्थगन आदेश के बावजूद अतिक्रमणकारी निर्माण कार्य बंद करने को तैयार नहीं हैं। यही नहीं, पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया है कि बुढ़ार पुलिस आरोपियों को संरक्षण दे रही है, जिसके कारण दबंगों के हौसले और भी बुलंद हैं।

शिकायतकर्ता अमरनाथ साहू, पिता स्व. जयकरण साहू, निवासी वार्ड क्रमांक 5 पुरानी बस्ती बुढ़ार ने तहसीलदार और थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने बताया कि ग्राम पकरिया में स्थित उनकी पुश्तैनी कृषि भूमि खसरा क्रमांक 180/1/1/1/1, रकबा 0.1283 हेक्टेयर (23.5 डिसमिल) है। इस भूमि का एक हिस्सा उन्होंने वैधानिक तरीके से बेचा था, जबकि शेष भूमि पर उनका स्वामित्व बरकरार है।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार यह मामला किसी एक परिवार की जमीन का विवाद नहीं, बल्कि एक बड़ा सवाल है कि क्या शहडोल जिले में कानून का कोई शासन बचा है या नहीं। जब एक एसडीओ स्तर का अधिकारी स्पष्ट स्थगन आदेश दे चुका है, तब भी यदि निर्माण रुकवाने में प्रशासन नाकाम है, तो यह सीधे तौर पर शासन की कार्यप्रणाली पर उंगली उठाता है। इस पूरे घटनाक्रम ने बुढ़ार क्षेत्र में चर्चाओं का माहौल बना दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि स्थगन आदेश भी कागज़ी साबित होने लगे तो फिर न्याय की उम्मीद किससे की जाए। कई ग्रामीणों ने बताया कि दबंग लंबे समय से क्षेत्र में विवादित कब्जों को लेकर सक्रिय हैं और प्रशासन की निष्क्रियता के कारण ऐसे मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। पीड़ित ने जिला प्रशासन से यह मांग की है कि स्थगन आदेश का तत्काल पालन सुनिश्चित कराया जाए। अवैध निर्माण को तत्काल प्रभाव से रोका जाए, आरोपियों पर अवैध कब्जा, आपराधिक धमकी, धोखाधड़ी और आदेश उल्लंघन की धाराओं में मामला दर्ज किया जाए और बुढ़ार पुलिस की भूमिका की भी उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।

कोई आदेश हमें रोक नहीं सकता

अमरनाथ साहू का आरोप है कि लल्लू केवट, शिवशंकर यादव, हेमलाल यादव, रोशनी यादव एवं अन्य लोगों ने मिलकर उनकी जमीन पर लगभग 43-44 डिसमिल तक जबरन कब्जा कर लिया है और बिना किसी अनुमति, सीमांकन या नक्शा-तरमीम के पक्के निर्माण खड़े किए जा रहे हैं। विरोध करने पर पीड़ित को गाली-गलौज, धमकी और जान से मारने की चेतावनी तक दी गई। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ) सोहागपुर द्वारा इस भूमि विवाद में स्पष्ट रूप से 'यथास्थिति बनाए रखने' का स्थगित आदेश जारी किया गया है। यह आदेश दोनों पक्षों को किसी भी प्रकार का निर्माण, तोड़फोड़ या परिवर्तन करने से रोकता है। पीड़ित के अनुसार अतिक्रमणकारी न तो आदेश का पालन कर रहे हैं और न ही निर्माण कार्य रोकने को तैयार हैं। खुलेआम यह कहते सुने जा रहे हैं कि हुकुम चलाने वाले सब हमारे प्रभाव में हैं, आदेश हमें रोक नहीं सकता। पीड़ित का आरोप और भी गंभीर हो जाता है जब वह कहता है कि स्थगन आदेश के बावजूद बुढ़ार पुलिस मौके पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रही, बल्कि उल्टा आरोपियों को संरक्षण दे रही है।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में मतदाताओं को किया जागरुक

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

राजा भोज शासकीय महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना पुरुष एवं महिला इकाई द्वारा चलाए जा रहे सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन की शुरुआत प्रभात फेरी, प्रार्थना और पीटी व्यायाम से हुई। आज की थीम मतदाता जागरूकता रही, जिसके तहत स्वयंसेवकों ने जागरूकता रैली निकाली और ग्राम सर्वेक्षण का कार्य भी जारी रखा। बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि पटवारी सतीश मेहरा (राजस्व विभाग) ने विभागीय योजनाओं और कार्यप्रणाली की जानकारी दी, जबकि ग्राम सेवक नंदिनी पावर (कृषि विभाग) ने अपनी योजनाओं पर प्रकाश डाला। दोनों ने स्वयंसेवकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। महाविद्यालय की ओर से सहायक प्राध्यापक डॉ. कुसुम कश्यप और प्रियल वर्मा उपस्थित रहीं। प्राचार्य एवं पूर्व जिला संगठक एन एस एस डॉ. एस.के. भदौरिया ने स्वयंसेवकों को प्रेरक मार्गदर्शन दिया।

ग्राम सेमिलया में पुलिस की अवैध शराब पर बड़ी कार्रवाई

घर से जब्त की 234 पेटी बीयर, आरोपी फरार

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की सरदारपुर तहसील के ग्राम सेमिलया में अवैध शराब संग्रहण को लेकर कार्रवाई की गई है। आरोपी ने बीयर की पेटियों को अपने घर में छुपाकर रखा था, जिसे रात के अंधेरे में ग्रामीण क्षेत्रों में सप्लाई किया जाना था। सूचना मिलने पर राजगढ पुलिस टीम मौके पर पहुंची व घर की तलाश ली गई। घर की तलाशी लेने पर पुलिस को गलियारे में बीयर की पेटियां रखी हुई मिली। हालांकि कार्रवाई के पहले ही आरोपी मौके से फरार हो चुका था। पुलिस ने इस मामले में आरोपी कालु पिता वालचंद्र बबेरिया के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरु की है। बीयर की पेटियों पर दर्ज नंबर की जानकारी जुटाने के लिए पुलिस अब इंदौर स्थित शासकीय शराब भंडार कार्यालय को पत्र लिख रही हैं, ताकि उक्त बेच नंबर की पेटियां किस शराब दुकान को अलॉट की गई थी, इसको लेकर स्पष्ट जानकारी सामने आ सके।

दरअसल प्रतिमाह होने वाली मासिक समीक्षा बैठक में एसपी मयंक अवस्थी अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए थे। वसंत उत्सव को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के उददेश्य से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी गश्त करने को लेकर रणनीति तैयार की थी, आरोपी कालु उक्त शराब को उत्सव की रात ही पडोसी गांवों में भेजने की तैयारी में था। थाना प्रभारी समीर पाटीदार के अनुसार ग्राम सेमलिया में स्थित आरोपी कालु को लेकर सूचना प्राप्त हुई थी कि घर में अवैध बीयर रखे हुए हैं, जो अवैध बीयर का विक्रय करने जाने वाला हैं। घर की तलाशी लेने पर 234 पेटी माउंट बीयर की पेटी पुलिस को मिली। उक्त शराब थाने लाकर अपराध पंजीबद्ध कर फरार आरोपी कालु बबेरिया की तलाश की जा रही हैं तथा शराब के बारे में जानकारी प्राप्त की जा रही हैं। शराब की कुल कीमत 6 लाख 54 हजार रुपए है।

बीमार पत्नी को हाथ ठेले पर ले जाना पड़ा अस्पताल, रास्ते में मौत

भाजपा नेता नरेश यादव ने कराया विधिवत अंतिम संस्कार

सागर। दोपहर मेट्रो

शनिवार को मानवता को झकझोर देने वाली एक मार्मिक घटना सामने आई, जब वृद्ध पत्नी की मृत्यु के बाद अंतिम संस्कार के लिए कोई साधन न होने के कारण पति हाथठेला पर शव रखकर खड़ा था। समाज की संवेदनहीनता और गरीबी का दृश्य और क्या होगा, जिस ठेले पर बुजुर्ग सब्जी बेचकर परिवार का पेट पालते थे, शनिवार को उसी ठेले पर उन्हें अपनी बीमार पत्नी को अस्पताल ले जाना पड़ा।

उन्होंने हाथ जोड़कर पड़ोसियों से मदद मांगी, लेकिन किसी ने एम्बुलेंस को एक फोन तक नहीं किया। हारकर वह अपनी बीमार पत्नी को उसी सब्जी वाले ठेले पर लेटाकर बदहवास होकर अस्पताल की ओर दौड़ पड़े। अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में माता मढ़िया के पास पत्नी ने दम तोड़ दिया। पार्षद प्रतिनिधि नरेश यादव को जैसे ही इस घटना की जानकारी मिली तो वहां पहुंचे और वृद्ध व्यक्ति से बातचीत कर स्थिति जानी। पूछताछ में पता चला कि ग्राम सौरई निवासी पवन साहू पिछले लगभग 13 वर्षों से रेलवे गेट के पास सब्जी का ठेला लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था। उसकी पत्नी पार्वती साहू लंबे समय से बीमार थीं, जिनके इलाज में उसकी सारी जमा पूंजी खर्च हो चुकी थी। पत्नी की मृत्यु के बाद पवन साहू के पास अंतिम संस्कार के लिए भी कोई आर्थिक साधन नहीं था, जिस कारण वह मजबूरी में हाथठेला पर शव रखकर खड़ा था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पार्षद प्रतिनिधि यादव ने पवन साहू को ढांढस बंधाया और अपनत्व समिति के वाहन की व्यवस्था कर महिला के शव को नरयावली नाका स्थित मुक्तिधाम भिजवाया, जहां विधिवत रीति-रिवाजों के साथ अंतिम संस्कार संपन्न कराया गया।

करणी सेना ने स्थानीय लोगों को रोजगार न देने पर किया विरोध-प्रदर्शन

कंपनी प्रबंधन के खिलाफ जमकर की नारेबाजी, कामकाज प्रभावित

धनपुरी। दोपहर मेट्रो

अमलाई खुली खदान में ओबी हटाने के लिए अधिकृत आरकेटीसी ठेकेदारी कंपनी द्वारा क्षेत्रीय युवाओं को रोजगार न दिए जाने के विरोध में शनिवार को करनी सेना ने कंपनी परिसर के मुख्य गेट पर गेट जाम कर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए स्थानीय लोगों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार देने की मांग की।

यह गेट जाम कई घंटों तक चला, जिसके कारण कंपनी का आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में स्थानीय युवा, बेरोजगार मजदूर और संगठन के पदाधिकारी शामिल रहे। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ठेकेदारी कंपनी स्थानीय क्षेत्र में लंबे समय से काम कर रही है, इसके बावजूद यहां के युवाओं को नजरअंदाज कर बाहर से मजदूर बुलाए जा रहे हैं। संगठन के नेताओं का कहना है कि इससे स्थानीय बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है, जबकि कंपनी स्थानीय संसाधनों से लाभ कमा रही है।

हमारे इलाके के सैकड़ों युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं, लेकिन कंपनी बाहरी लोगों को काम दे रही है। यह न सिर्फ अन्याय है, बल्कि स्थानीय हितों के भी खिलाफ है। प्रदर्शनकारियों ने कंपनी प्रबंधन से यह भी मांग की कि वह अपनी रोजगार नीति सार्वजनिक करे और स्थानीय युवाओं के लिए निश्चित प्रतिशत में रोजगार सुनिश्चित करे। साथ ही ठेका कार्यों में स्थानीय मजदूरों को प्राथमिकता देने संबंधी लिखित आश्वासन की मांग की गई। गेट जाम के दौरान प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक पहल नहीं की गई, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

गेट जाम की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर स्थिति को शांत करने का प्रयास किया। प्रशासन की मध्यस्थता के बाद कंपनी प्रबंधन और संगठन के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई। राकेटीसी कंपनी के अधिकारी सरकार ने बताया कि दोनों पक्षों से बातचीत चल रही है और समस्या का समाधान आपसी सहमति से निकालने का प्रयास किया जा रहा है। कंपनी प्रबंधन द्वारा स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के मुद्दे पर शीघ्र निर्णय लेने और संगठन के साथ पुनः बैठक करने का आश्वासन दिए जाने के बाद जाम समाप्त किया गया।

ग्राम पंचायत कुम्हेडिन में गाइडलाइन के अनुसार नहीं हो रहा डेम का निर्माण

बुढार। दोपहर मेट्रो

ग्राम पंचायत कुम्हेडिन में पट्टे की जमीन में स्टाप डेम बना दिया गया। किसी एक व्यक्त को लाभ देने इंजीनियर चन्द्रमाली सेकेट्री सरपंच पति जगमोहन और शर्मा ठेकेदार मिलकर जमकर सरकारी पैसे का खेल कर रहे हैं। प्रकलन से हटकर मूल्यांकन किया गया स्टाप डेम की गड्ढे की खुदाई जहां 2.50 मीटर खोदना चाहिए वहां 50 सेंटीमीटर ही हो सका। लोहा 6 सेंटीमीटर में बांधना होता है वहां पर 1.50 मीटर मे बांधा गया है। सबसे घटिया सीमेंट इस्तेमाल हुआ। 2 मीटर नाली बना दी। जहां मुख्यमंत्री विकास की योजना बनाते हैं और बुढ़ार जनपद मे बैठे इंजीनियर, एसडीओ, सरपंच सेकेट्री शासन के पैसों की होली खेलते नजर आ हैं। वहीं बुढ़ार जनपद पंचायत

के पूर्व सांसद प्रतिनिधि व बुढ़ार भाजपा मंडल अध्यक्ष अर्जुन सोनी ने क्षेत्र प्रवास के दौरान जानकारी मिली तो उन्होंने जनपद पंचायत सीइओ को पत्र में इसकी शिकायत की और जांच के लिए लिखा है।

मेट्रो एंकर — देशभक्ति का छाया उत्साह, खादी तिरंगे की सबसे ज्यादा मांग

गणतंत्र दिवस की तैयारियां, तिरंगे से सजी दुकानें

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक शहर मंडीदीप में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की तैयारियां तेज हो गई हैं। शहरवासियों में राष्ट्रपर्व का जोश साफ नजर आ रहा है। मुख्य बाजार से लेकर शहर की छोटी-बड़ी दुकानों तक तिरंगे की बहार छाई हुई है। जगह-जगह तिरंगे, बाइक फ्लैग, कार फ्लैग, कपड़ों पर लगाने वाले बैच, रिस्ट बैंड, हेयर बैंड, बलून, तिरंगे रंग के मफलर, टी-शर्ट, चुनरी और अन्य सामग्री बिकने के लिए उपलब्ध है।

इन दिनों बाजारों में कागजी तिरंगे से लेकर विभिन्न प्रकार की देशभक्ति से जुड़ी वस्तुओं की खरीदारी जोर-शोर से चल रही है। स्थानीय दुकानदारों के अनुसार, गणतंत्र दिवस के निकट आने के साथ ही इन सामग्रियों की मांग में तेजी आई है। शहर में खास तौर पर खादी से बने तिरंगे की मांग सबसे ज्यादा है। हालांकि मंडीदीप में खादी ग्राम उद्योग की कोई स्थानीय दुकान नहीं है, लेकिन लोग भोपाल स्थित विभिन्न खादी ग्राम उद्योग की दुकानों से तिरंगे खरीदकर ला रहे हैं। स्थानीय व्यवसायी महेश धर्मवानी ने बताया कि नगर पालिका द्वारा गणतंत्र

दिवस पर चार दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसके कारण तिरंगे सहित अन्य देशभक्ति सामग्री की मांग बहुत बढ़ जाती है।

शहर में यह उत्साह दर्शाता है कि मंडीदीपवासी गणतंत्र दिवस को पूरे जोश और देशभक्ति के साथ मनाने के लिए तैयार हैं। बाजारों की रौनक और लोगों का उत्साह इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्रपर्व यहां धूमधाम से मनाया जाएगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन

मेंस डबल्स के दूसरे राउंड में युकी भांबरी की जीत

श्रीराम बालाजी ने किया निराश

मेलबर्न। भारत के युकी भांबरी और उनके स्वीडिश पार्टनर आंद्रे गोरैनसन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के मेंस डबल्स के दूसरे राउंड में जीत दर्ज की। इस जोड़ी ने मेक्सिको के सैंटियागो गोंजालेज और नीदरलैंड के डेविड पेल को 4-6, 7-6(5), 6-3 से शिकस्त दी। दूसरी ओर, भारत के स्टार खिलाड़ी श्रीराम बालाजी और उनके जोड़ीदार प्रतियोगिता से बाहर हो गए। भांबरी अब ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में बचे एकमात्र भारतीय टेनिस खिलाड़ी हैं। भारत के टॉप रैंक वाले मेंस डबल्स खिलाड़ी भांबरी और 10वीं सीड गोरैनसन ने धीमी शुरुआत की और तीसरे गेम में भांबरी की सर्विस टूटने के बाद पहला सेट गंवा दिया।

भांबरी और गोरैनसन ने की शानदार वापसी

जब दूसरा सेट 2-2 से बराबरी पर था, तब ऑस्ट्रेलियन ओपन की अत्यधिक गर्मी की पॉलिसी के कारण मैच रोकना पड़ा। हालांकि, मेंस डबल्स एटीपी रैंकिंग में 22वें स्थान पर मौजूद भांबरी और गोरैनसन ने शानदार वापसी की और पूरे मैच में लगातार अपनी सर्विस बचाई। दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में कड़ी टक्कर के बाद, भांबरी और गोरैनसन ने निर्णायक सेट में कंट्रोल बनाया और अपने विरोधियों की सर्विस दो बार तोड़कर मैच जीत लिया। इस जीत के साथ, सिंगल्स में पूर्व जूनियर ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन भांबरी साल 2014 के बाद पहली बार पुरुष डबल्स के तीसरे राउंड में पहुंचे हैं। उस समय उन्होंने न्यूजीलैंड के माइकल वीनस के साथ जोड़ी बनाई थी। पिछले साल यूएस ओपन में उनका ग्रैंड स्लैम का सबसे अच्छा प्रदर्शन था, जहां उन्होंने माइकल वीनस के साथ मिलकर सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। इससे पहले, ओलंपियन बालाजी और उनके ऑस्ट्रियाई पार्टनर नील ओबरलीटनेर का मेंस डबल्स में सफर खत्म हो गया। इस जोड़ी को दूसरे राउंड में चौथी सीड अल सल्वाडोर के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मेट पाविक ??के हाथों 7-5, 6-1 से शिकस्त झेलनी पड़ी। बालाजी और ओबरलीटनर लेट अल्टरनेट के तौर पर मेन ड्रॉ में शामिल हुए थे और उन्होंने पहले राउंड में एक बड़ा उलटफेर करते हुए पूर्व ग्रैंड स्लैम चैंपियन फ्रांस के पियरे-ह्यूग्स हर्बर्ट और ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन को हराया।

सर्वोच्च मुकाम की दौड़ में खेल जगत के 4 दिग्गज

विराट कोहली, नोवाक जोकोविच, फुटबॉल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लुईस हैमिल्टन के नाम शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया भर में कुछ एथलीट ऐसे हैं जिन्होंने अपने-अपने खेल को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। क्रिकेट, फुटबॉल, टेनिस और फॉर्मूला-1 जैसे खेलों में इस समय कुछ रिकॉर्ड ऐसे हैं जो किसी भी खिलाड़ी के करियर को दंतकथा दर्जे पर पहुंचा सकते हैं। इन्हीं रिकॉर्ड्स की वजह से एक तुलना उभरती है कि कौन-सा खिलाड़ी अपने खेल के गोल्डन थ्रोन यानी सर्वोच्च मुकाम पर बैठने के करीब है। इस सूची में भारत के विराट कोहली, टेनिस के नोवाक जोकोविच, फुटबॉल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और फॉर्मूला-1 के लुईस हैमिल्टन जैसे दिग्गज शामिल हैं। आइए जानते हैं...

विराट कोहली: क्या बनेंगे अगले 100 शतक वाले खिलाड़ी?- क्रिकेट के इतिहास में सिर्फ एक ही खिलाड़ी ने 100 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं। उस खिलाड़ी का नाम है सचिन तेंदुलकर। इस कठिन रिकॉर्ड के सबसे करीब आज विराट कोहली हैं। विराट के पास अभी तक 85 अंतरराष्ट्रीय शतक हैं, यानी सचिन की बराबरी करने के लिए उन्हें 15 शतकों की जरूरत है। कोहली अभी भी वनडे में सक्रिय हैं और फिटनेस के मामले में दुनिया के सबसे बेहतरीन एथलीटों में गिने जाते हैं। यदि वे 100 शतकों का यह लक्ष्य हासिल करते हैं, तो यह क्रिकेट इतिहास की सबसे दुर्लभ उपलब्धियों में शामिल होगा।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक

खिलाड़ी	मैच	रन	औसत	शतक	अर्धशतक
सचिन तेंदुलकर	664	34357	48.52	100	164
विराट कोहली	559	28215	52.73	85	146
रिकी पोंटिंग	560	27483	45.95	71	146
कुमार संगकारा	594	28016	46.77	63	153
जैक कैलिस	519	25534	49.10	62	149

नोवाक जोकोविच: क्या मिलेगा 25वां ग्रैंड स्लैम?

टेनिस जगत में नोवाक जोकोविच ने पिछले एक दशक में लगभग हर बड़ा मंच जीत लिया है। उनके नाम कुल 24 ग्रैंड स्लैम हैं, जिसमें शामिल हैं।

10 ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब: (कब जीता- 2008, 2011, 2012, 2013, 2015, 2016, 2019, 2020, 2021, 2023)

3 फ्रेंच ओपन खिताब- (कब जीता- 2016, 2021, 2023)

7 विंबलडन खिताब: (कब जीता- 2011, 2014, 2015, 2018, 2019, 2021, 2022)

4 यूएस ओपन खिताब: (कब जीता- 2011, 2015, 2018, 2023)

जोकोविच अब 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब से केवल एक जीत दूर हैं। यह उपलब्धि उन्हें टेनिस इतिहास में सबसे ऊंचे स्थान पर ले जा सकती है। उनकी फिटनेस, मानसिक मजबूती और निरंतरता उन्हें अभी भी खिताबों के दावेदारों में बनाए हुए हैं। न तो महिलाओं में और न ही पुरुषों में किसी ने 25 ग्रैंडस्लैम जीते हैं। महिलाओं में सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम जीतने का रिकॉर्ड मार्ग्रेट कोर्ट के नाम है, जिन्होंने 24 ग्रैंडस्लैम जीते थे। जोकोविच गोल्डन थ्रोन से बस एक खिताब दूर हैं।

रोनाल्डो: 1000 गोल का लक्ष्य कितना दूर?

क्रिस्टियानो रोनाल्डो फुटबॉल इतिहास के सबसे बड़े स्ट्राइकर्स में गिने जाते हैं। 22 जनवरी 2026 तक उन्होंने क्लब और देश मिलाकर 960 आधिकारिक गोल कर लिए हैं। इनमें शामिल हैं-

पुर्तगाल के लिए: 143 गोल

क्लब फुटबॉल में: 817 गोल

रोनाल्डो के नाम चैम्पियंस लीग में सर्वाधिक गोल (140) का रिकॉर्ड भी है। रोनाल्डो ने चार अलग-अलग क्लबों (मैनचेस्टर यूनाइटेड, रियल मैड्रिड, युवेंतस और अल नस्र) के लिए 100 से अधिक गोल किए हैं। वह मौजूदा समय में सऊदी प्रो लीग में अल नस्र के साथ 2025/26 सीजन में खेल रहे हैं। अब सवाल यह है कि क्या रोनाल्डो 1000 गोल का जादुई आंकड़ा छू पाएंगे? अभी तक आधिकारिक तौर पर ऐसा कोई नहीं कर पाया है और उनके पास अभी समय और फॉर्म दोनों हैं। उन्हें लक्ष्य तक पहुंचने के लिए 40 गोल और चाहिए। यह माइलस्टोन उन्हें फुटबॉल इतिहास का सबसे बड़ा गोलस्कोरिंग रिकॉर्ड दे सकता है।

तीसरा टी-20 आज, पिछले दोनों मुकाबलों में 400+ रन बने

न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार पांचवीं सीरीज जीत सकता है भारत, अक्षर की वापसी संभव

गुवाहाटी, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा टी-20 आज गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में खेला जाएगा। मुकाबला शाम 7 बजे से शुरू होगा, जिसका टॉस शाम 6.30 बजे होना है। टीम इंडिया सीरीज में 2-0 से आगे है, तीसरा मैच जीतकर टीम न्यूजीलैंड को लगातार पांचवीं टी-20 सीरीज हरा देगी। पिछले दोनों मुकाबलों में 400 से ज्यादा रन बने, वहीं 3 पारियों में स्कोर 200 रन को पार कर गया। गुवाहाटी में भी हाई स्कोरिंग मुकाबला देखने को मिल सकता है।

न्यूजीलैंड और भारत के बीच 27 टी-20 खेले गए। 14 में भारत और 10 में न्यूजीलैंड को जीत मिली। 3 मुकाबले टाई भी रहे। भारत में दोनों ने 13 टी-20 खेले। 9 में होम टीम और महज 4 में न्यूजीलैंड को जीत मिली। भारत में दोनों टीमों के बीच 4 टी-20 सीरीज खेली गई। 2012 में न्यूजीलैंड इकलौता टी-20 जीता था। वहीं 2 प्लस मैचों की तीनों सीरीज में भारत ने बाजी मारी। न्यूजीलैंड ने 6 साल पहले भारत को आखिरी सीरीज हराई थी, तब होमग्राउंड पर टीम को 2-1 से जीत मिली थी। तब से भारत ने न्यूजीलैंड को लगातार 4 सीरीज हरा दी। आज मुकाबला जीतकर टीम इंडिया कीवी टीम को लगातार पांचवीं टी-20 सीरीज हरा देगी।

इंजरी के कारण बाहर चल रहे हैं अक्षर पटेल

अक्षर को मौका मिल सकता है टीम इंडिया तीसरे मुकाबले अक्षर पटेल को मौका दे सकती है। वे इंजरी के कारण दूसरे टी-20 से बाहर हो गए थे। उनके साथ जसप्रीत बुमराह को भी मुकाबले से आराम दिया गया था। दोनों आज वापसी कर सकते हैं। अर्शदीप सिंह को आज बेंच पर बैठाया जा सकता है। भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दूसरे टी-20 में 82 रन बनाकर अपना फॉर्म साबित कर दिया। उन्होंने 23 पारियों बाद टी-20 में फिफ्टी लगाई थी। उनके अलावा अभिषेक शर्मा और ईशान किशन सीरीज में 1-1 फिफ्टी लगा चुके हैं। गेंदबाजी में शिवम दुबे और वरुण चक्रवर्ती ने 3-3 विकेट निकाल लिए हैं।

न्यूजीलैंड के लिए ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ने सबसे ज्यादा 97 रन बनाए हैं, उन्होंने पहले टी-20 में 78 रन बनाए थे। गेंदबाजी में तेज गेंदबाज जैकब डफी 3 विकेट ले चुके हैं। टीम आज जैकरी फॉल्क्स की जगह काइल जैमिसन को प्लेइंग-11 में शामिल कर सकती है।

हाई स्कोरिंग है गुवाहाटी की पिच

बरसापारा स्टेडियम में अब तक 4 टी-20 खेले गए। 2 में चेज करने वाली और 1 में पहले बैटिंग करने वाली टीम को जीत मिली। यहां एक मुकाबला बेनतीजा भी रहा। 6 में से 4 पारियों में यहां स्कोर 220 से ज्यादा का रहा है। ऑस्ट्रेलिया टीम तो 2023 में भारत के खिलाफ 223 रन भी चेज कर चुकी है। यहां का बेस्ट स्कोर 237 रन है, जो भारत ने 2022 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ बनाया था।

बारिश की संभावना नहीं

गुवाहाटी में रविवार को बारिश की कोई संभावना नहीं है। टेम्परेचर 14 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। मैच के दौरान टेम्परेचर 17 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11 भारत: अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल/कुलदीप यादव, हर्षित राणा, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती।

न्यूजीलैंड: डेवोन कॉन्वे, टिम साइफर्ट (विकेटकीपर), रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, डेरिल मिचेल, मार्क चापमन, मिचेल सैंटनर (कप्तान), काइल जैमिसन, जैकब डफी, ईश सोढी और मैट हैनरी।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

बैटल ऑफ गलवान का पहला गाना मातृभूमि रिलीज

सरहद पर दिखा सलमान का जोश

सलमान खान की मच-अवेटेड फिल्म बैटल ऑफ गलवान के मेकर्स ने टीजर के बाद फिल्म का पहला गाना मातृभूमि रिलीज कर दिया है। गाना देशभक्ति की भावना से भरपूर है। गाने के लिरिक्स पहली बार में ही दिल को छू लेते है। गणतंत्र दिवस से पहले देशभक्ति से भरपूर मातृभूमि गाने ने फैंस को खुश कर दिया है। गाना सुनने के बाद फिल्म को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट सुपर हाई हो गई है।

गाने में सलमान खान एक भारतीय सेना अधिकारी के रूप में नजर आ रहे हैं। उनके साथ एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह भी दिखाई दीं। दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री काफी नेचुरल और खूबसूरत लग रही है। गाने में सलमान और चित्रांगदा सिंह, दोनों को दो छोटे बच्चों के साथ एक परिवार के रूप में दिखाया गया है, जहां घर के सुकून भरे पल और गलवान की जंग के कड़े दृश्य साथ-साथ चलते हैं। गाने में परिवार और देश के प्रति सेना के कर्तव्य और संघर्ष के पलों को दिखाया गया है, जो प्यार, बलिदान और देशसेवा के भाव को और भी गहराई से सामने लाते हैं। मातृभूमि गाना बैटल ऑफ गलवान का इमोशनल और देशभक्ति से भरा एहसास देता है। इस गाने को हिमेश रेशमिया ने कंपोज किया है, जिन्होंने एक बार फिर दिल को छू लेने वाली और असरदार धुन के साथ अपनी खास छाप छोड़ी है।

अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल के साथ काम करना खास : हिमेश

हिमेश ने गाने को लेकर कहा- बैटल ऑफ गलवान के लिए मातृभूमि बनाना उनके लिए काफी इमोशनल रहा। उन्होंने कहा कि गाने की फील सेना की बीट्स और उनकी एनर्जी से आई है। अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल के साथ काम करना खास था, और सलमान खान के साथ फिर से जुड़ना, साथ ही सलमान खान फिल्म्स म्यूज़िक लेबल से गाने का रिलीज होना, इस पूरे सफर को और भी स्पेशल बना देता है। मातृभूमि के लिरिक्स समीर अंजन ने लिखे हैं, जबकि इसे अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज दी है, जो इंडियन म्यूजिक की सबसे पसंदीदा आवाजों में से हैं। बैटल ऑफ गलवान को सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। फिल्म को अपूर्व लाखिया ने डायरेक्ट किया है।

वजन घटाने के लिए अशनूर ने खुद पर किए जुल्म!, खाना-पीना छोड़ा-सेट पर हुईं बेहोश

21 साल की अशनूर कौर बिग बॉस के बाद से लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। करियर में वो काफी अच्छा कर रही हैं। मगर अशनूर को अक्सर बॉडीशेमिंग का सामना करना पड़ता है। बिग बॉस में भी उनके वजन का काफी मजाक उड़ा था। अब एक्ट्रेस ने बॉडीशेमिंग पर चुप्पी तोड़ी है। अशनूर ने सोहा अली खान के पॉडकास्ट में बॉडीशेमिंग पर कहा- इसकी शुरुआत मेंटली होती है। आपके अंदर ट्रॉमा बैठ जाता है। इसलिए खुद के साथ आसान रहो। शांति में रहो।

अशनूर ने आगे कहा कि आप चाहे कितने भी फिटनेस ट्रेंड या डाइट फॉलो कर लें। मगर कॉन्फिडेंस अंदर से ही आता है। अशनूर बोलीं- मैंने सबकुछ ट्राई किया है। मैं वॉटर डाइट, कीटो डाइट पर भी रही हूं। कई तरह के वर्कआउट किए। कई ट्रेनर्स से ट्रेनिंग ली। लेकिन किसी चीज ने काम नहीं किया। अशनूर से जब पूछा गया कि क्या वो इस दौरान अपने साथ काइंड थीं, तो उन्होंने कहा- मैं खुद के साथ बहुत सख्त थी। कई बार तो मैं सेट पर बेहोश तक हो गई थी, क्योंकि मैं ठीक से खा-पी नहीं कर रही थी।

अशनूर ने कहा कि एक दोस्त ने उन्हें ब्लड टेस्ट कराने की सलाह दी थी, जिसकी रिपोर्ट नॉर्मल आई थी।

फिर एक दूसरे दोस्त ने उन्हें हार्मोनल इश्यू की जांच कराने को कहा। अशनूर ने बताया- तब मुझे पता चला कि मेरे हार्मोन्स में कुछ गड़बड़ थी, जिसकी वजह से मेरा वजन एक जगह रुक गया था (वजन बढ़ नहीं रहा था और न कम हो रहा था)। उन्होंने आगे कहा कि हार्मोनल असंतुलन की वजह से वजन कम करना बहुत मुश्किल होता है। इससे पहले बिग बॉस 19 में भी अशनूर ने बॉडी इमेज को लेकर बात की थी। उन्होंने कहा था कि वो टीनएजर के टाइम से ही वो बढ़े वजन की समस्या से जूझ रही हैं।

मेट्रो बाजार

टैरिफ संकट के बीच केंद्र का बड़ा दांव, प्रोडक्शन बढ़ाकर 2035 तक निर्यात तीन गुना करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितता और उच्च टैरिफ संकट के बीच भारत भारी खर्च करने के बजाय रणनीतिक बदलावों के जरिये विनिर्माण को बढ़ावा देकर 2035 तक देश के निर्यात को तीन गुना करने की योजना बना रहा है। दो सरकारी अधिकारियों ने बताया, इसके लिए प्रधानमंत्री की तीसरी ऐसी कोशिश में देश 15 क्षेत्रों में विनिर्माण को प्राथमिकता दे रहा है, जिसमें हाई-एंड सेमीकंडक्टर, मेटल और श्रम आधारित लेदर इंडस्ट्री शामिल हैं। इसका मकसद भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ाना और माल निर्यात को सालाना 1.3 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचाना है। दरअसल, मोदी सरकार जीडीपी में विनिर्माण का हिस्सा दोगुना कर 25 फीसदी करने में दो बार नाकाम रही है। पहला...2014 में मेक इन इंडिया अभियान के जरिये और दूसरा... 2020 में 23 अरब डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज के साथ। नीति निर्माताओं में शामिल एक अधिकारी ने बताया, पिछले कुछ वर्षों में सरकार की कई पहलों के बावजूद विनिर्माण में धीमी वृद्धि देखने को मिली है। अब तीसरी कोशिश में बदलाव लाने के लिए एक साहसिक, फोकस्ड और एकजुट रणनीति की जरूरत है। अधिकारियों ने बताया, सरकार ने योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए एक पैनल बनाया है, जिसका फोकस बड़ी परियोजनाओं के लिए तेज नियामकीय मंजूरी, जमीन और सस्ता फाइनेंस उपलब्ध कराने पर होगा।

टैक्स संग्रह के मामले में दुनिया के बड़े देशों के मुकाबले कहां खड़ा भारत? रिपोर्ट में बड़ा दावा

भारत का संयुक्त टैक्स-टू-जीडीपी अनुपात (केंद्र और राज्यों को मिलाकर) बढ़कर 19.6 प्रतिशत हो गया है। यह स्तर कई प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के बराबर है, जबकि केंद्र सरकार का सकल कर राजस्व अनुपात 11.7 प्रतिशत पर बना हुआ है। संयुक्त आंकड़ा हांगकांग, मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे उभरते बाजारों से अधिक है, लेकिन जर्मनी (38त्न) और अमेरिका (25.6त्न) जैसे विकसित देशों से अभी भी काफी पीछे है। टैक्स-टू-जीडीपी अनुपात का मतलब है कि देश की कुल अर्थव्यवस्था (त्नष्ठक्क) के मुकाबले सरकार कितने प्रतिशत टैक्स वसूल रही है।

बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, यह अंतर भारत के लिए एक बड़ा नीतिगत अवसर है। अनुकूल जनसांख्यिकी और आर्थिक संभावनाओं के कारण भारत में कर संग्रह बढ़ाने की क्षमता अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार टैक्स सुधारों पर जोर दे रही है, जिसमें कर प्रणाली का सरलीकरण, युक्तिकरण और डिजिटलीकरण शामिल है। इससे निकट भविष्य में टैक्स-टू-जीडीपी अनुपात में और सुधार के संकेत मिल रहे हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, आयकर अधिनियम 2025 और कॉरपोरेट टैक्स ढांचे के युक्तिकरण जैसे नियामकीय बदलाव पारदर्शिता बढ़ाने और अनुपालन प्रक्रिया को आसान बनाने के उद्देश्य से किए गए हैं। इन सुधारों का लक्ष्य कर आधार का विस्तार और अनौपचारिक अर्थव्यवस्था को औपचारिक ढांचे में लाना है। ऐतिहासिक आंकड़ों का विश्लेषण बताता है कि कर संग्रह और नाममात्र जीडीपी के बीच संबंध मजबूत हुआ है। वित्त वर्ष 1993 से वित्त वर्ष 2002 के दौरान संकीर्ण कर आधार के कारण अस्थिरता रही।

गणतंत्र दिवस की तैयारी: इंडिया गेट पर रिहर्सल परेड

26 जनवरी 2026 को भारत अपना 77वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। हर साल की तरह इस वर्ष भी नई दिल्ली के इंडिया गेट के पास कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस की परेड होगी। कार्यक्रम को खूबसूरत बनाने के लिए इंडिया गेट पर रिहर्सल परेड आयोजित की गई। कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि देंगे। साथ ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रीय ध्वज फहराकर इस खास दिन की शुरुआत करेंगी। ठंड होने के बाद भी बड़ी संख्या में लोग राजधानी पहुंचकर परेड का सीधा प्रसारण देखते हैं। वहीं बहुत सारे लोग घरों से इसे लाइव देखते हैं।

न्यूज विंडो

बांग्लादेश को उसकी औकात दिखाना जरूरी: टी राजा

हैदराबाद। बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या का मामला गरमाया हुआ है। इस बीच हैदराबाद के गोशामहल से विधायक टी राजा सिंह ने इस मुद्दे पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अब बांग्लादेश को उसकी औकात दिखाना जरूरी है। बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या पर गोशामहल विधायक टी राजा सिंह ने कहा, आज ढाका में चंचल चंद्र को जिंदा जला दिया गया। मैं प्रधानमंत्री मोदी से इस मामले में दृढ़ संकल्प दिखाने का अनुरोध करता हूं। बांग्लादेश कभी भारत का हिस्सा था, और वहां रहने वाला हर हिंदू भारतीय है। हर हिंदू की जान बचाना प्रधानमंत्री का कर्तव्य है। अगर हम वहां न होते, तो बांग्लादेश पाकिस्तान से अलग न होता। अब बांग्लादेश को उसकी औकात दिखाना जरूरी है। गौरतलब है कि बांग्लादेश में एक और हिंदू चंचल चंद्र भौमिक की हत्या हो गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, उसे सोते समय जलाकर मार डाला गया। इस हत्या का आरोप भी कट्टरपंथियों पर लगा है। पुलिस ने इसे सुनियोजित हत्या बताया है।

कनाडा में भारतीय मूल के युवक की हत्या, बीच सड़क पर मारी गोली

नई दिल्ली। कनाडा में भारतीय मूल के युवक दिलराज सिंह गिल की हत्या कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि यह हत्या टारगेटेड गैंग वॉर का नतीजा हो सकती है। पुलिस ने बताया कि गिल पुलिस के लिए जाना-पहचाना था। कनाडा में इस युवक की हत्या गुरुवार, 22 जनवरी को हो गई थी। पुलिस ने इस युवक की पहचान वैंकूवर निवासी दिलराज सिंह गिल के रूप में बताई, जो कि भारतीय मूल का निवासी था। बर्नाबी RCMP के फ्रंटलाइन अधिकारियों ने कनाडा में 3700 ब्लॉक के पास गोलीबारी की रिपोर्ट पर कार्रवाई की। जब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, तो उन्हें एक पीड़ित मिला। पुलिस ने बताया, 'हमने उसकी जान बचाने की कोशिश की, लेकिन इसके बावजूद उस युवक की जान नहीं बच पाई।' अधिकारियों ने आगे बताया, 'इस घटना के तुरंत बाद बक्सटन स्ट्रीट के 5000 ब्लॉक में एक गाड़ी में आग लगी हुई मिली।' बर्नाबी, ब्रिटिश कोलंबिया की पुलिस ने बयान जारी कर कहा, 'जांचकर्ताओं ने यह पता लगाने की कोशिश की कि क्या गोलीबारी से इसका कोई संबंध हो सकता है।'

हैदराबाद में फर्नीचर की दुकान में लगी आग, पांच ने गंवाई जान

हैदराबाद। हैदराबाद के नामपल्ली इलाके में एक चार मंजिला फर्नीचर की दुकान में आग लग गई। इस दुर्घटना में महिला समेत चार की मौत हो गई है। वहीं, घटना के बारे में जानकारी देते हुए हैदराबाद पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 21 घंटे बाद बचाव अभियान खत्म हो गया है। रविवार को घटना के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारी ने बताया कि आग लगी की इस घटना में एक महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई है। फंसे हुए लोगों के लिए लगातार बचाव अभियान जारी रहा, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका है। आग किस वजह से लगी इस बात की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। पुलिस अधिकारी ने आगे बताया कि शनिवार दोपहर आग लगने की जानकारी जैसे ही मिली पुलिस, अग्निशमन विभाग, एनडीआरएफ कर्मियों और हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी सहित कई एजेंसियों ने बचाव अभियान शुरू कर दिया। कर्मचारियों और उनके परिवार के लोगों के रहने के लिए दुकान के बेसमेंट में कमरा बनाया गया था। जहां सभी लोग फंसे हुए थे। लेकिन इमारत से निकल रहे घने धुएं के कारण बचाव कार्य में दिक्कत आ रही थी और फंसे हुए लोगों को नहीं बचाया जा सका।

पंजाब में चुनाव से पहले ही कांग्रेस में मचा घमासान

मुख्यमंत्री पद के लिए वड़िंग और चन्नी सबसे बड़े दावेदार

चंडीगढ़। एजेंसी

पंजाब में एक तरफ सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी लगातार कल्याणकारी योजनाओं के जरिए दूसरी पारी की जमीन मजबूत करने में जुटी है, वहीं कांग्रेस में एक बार फिर से गुटबाजी देखने को मिल रही है। पंजाब कांग्रेस नेतृत्व की खींचतान से जूझती नजर आ रही है। अगले विधानसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के संभावित चेहरे को लेकर अंदरूनी राजनीति तेज हो गई है, जिससे पार्टी की एकजुटता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कौन-कौन हैं दावेदार

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और लुधियाना से सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग इस दौड़ में फिलहाल सबसे आगे माने जा रहे हैं। संगठन पर उनकी मजबूत पकड़ और आक्रामक राजनीति ने उन्हें पार्टी के भीतर एक प्रभावशाली नेता के तौर पर स्थापित किया है। हालांकि, उनकी राह इतनी आसान भी नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री और दलित समाज के बड़े नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने एक बार फिर खुद को मुख्यमंत्री पद के दावेदार के रूप में पेश करना शुरू कर दिया है।

एक और नाम भी

इस त्रिकोणीय समीकरण में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा तीसरे अहम ध्रुव के रूप में उभरे हैं। बाजवा न केवल अनुभवी नेता हैं, बल्कि पार्टी के भीतर उनके अपने समर्थक भी हैं, जो उन्हें संतुलित और वरिष्ठ नेतृत्व का चेहरा मानते हैं। ऐसे में कांग्रेस के अंदर शक्ति संतुलन लगातार बदलता दिख रहा है। पार्टी की अंदरूनी खींचतान हाल ही में 2025 के लुधियाना वेस्ट विधानसभा उपचुनाव के दौरान खुलकर सामने आई। यह सीट अनुसूचित जाति (एससी) बहुल मानी जाती है, इसके बावजूद चरणजीत सिंह चन्नी का प्रचार से लगभग दूर रहना कई सवाल खड़े करता है।

मिल सकता है फायदा

अब ताजा विवाद चन्नी की उस मांग को लेकर है, जिसमें वे कांग्रेस में दलित समुदाय को अधिक प्रतिनिधित्व देने की बात कर रहे हैं। गौरतलब है कि पंजाब की आबादी में अनुसूचित जातियों की हिस्सेदारी करीब 32 प्रतिशत है, जो राज्य की राजनीति में एक निर्णायक भूमिका निभाती है। चन्नी का तर्क है कि इतने बड़े सामाजिक वर्ग को नेतृत्व और संगठन दोनों स्तरों पर पर्याप्त हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। हालांकि, पार्टी के भीतर कुछ नेताओं का मानना है कि यह मांग केवल सामाजिक न्याय तक सीमित नहीं है, बल्कि नेतृत्व की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत करने की रणनीति भी है।

मथुरा में नितिन नवीन बोले-

कभी बंदूक की नोंक पर यूपी में सरकार चलती थी, आज जनता के वोट से...

मथुरा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि उत्तर प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली से यमुना एक्सप्रेसवे से आते हुए ऐसा लग रहा था, जैसे किसी विदेशी शहर में आ गए हों। उत्तर प्रदेश में 2027 के चुनाव में भाजपा की सरकार फिर बनेगी, इसका संदेश आज मांट की धरती से पूरे प्रदेश में चला गया है।

बोले, विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा उत्तर प्रदेश: नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सपना हम सबको मिलकर साकार करना है। आज मजदूरों को जीरामजी के माध्यम से 125 दिन का रोजगार देकर उनका सम्मान बढ़ाया गया है। गरीब, किसान, मजदूर और युवा भाजपा की नीतियों से सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, कि आज कृष्ण की नगरी में अध्यक्ष होने के बाद पहली बार मेरा प्रवास हुआ है। सभी को प्रणाम। पवित्र भूमि को नमन। अध्यक्षीय कार्यकाल की शुरुआत कृष्ण नगरी से हुई है। आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में योगी आदित्यनाथ ने उत्तम प्रदेश बनाया। आज हर राज्य विकास कर रहा है। उत्तर प्रदेश उसका नेतृत्व कर रहा है। आज राज्य विकास कर रहे हैं तो इसका श्रेय भाजपा कार्यकर्ताओं को जाता है।

हर सनातनी को गर्व: मथुरा की नगरी में भी सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा दिया जा रहा है। हर सनातनी गर्व कर रहा है। आज विदेशों की तरह उत्तर प्रदेश में सड़कें दिख रही हैं, पीएम ने मन की बात में स्वक्षता की बात की। प्रधानमंत्री ने हमेशा विकास योजना आगे बढ़ने को अंतिम व्यक्ति को भी जोड़ा। प्रधानमंत्री ने हमेशा विकास योजना आगे बढ़ने को अंतिम व्यक्ति को भी जोड़ा।

पाक से संचालित आतंकी नेटवर्क पर एक्शन

शहजाद भट्टी का करीबी मोहाली से गिरफ्तार अंबाला थाना ब्लास्ट केस में था शामिल

मोहाली। पंजाब पुलिस की स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) ने पाकिस्तान में बैठे कुख्यात आतंकी शहजाद भट्टी के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उसके एक करीबी सहयोगी को गिरफ्तार किया है।

आरोपी की पहचान रमन कुमार उर्फ गोलू के रूप में हुई है, जो जम्मू के गंग्याल इलाके का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 30 बोर का एक पिस्टल बरामद किया है। रमन कुमार अवैध हथियार रखने और आतंकी गतिविधियों से जुड़े मामलों में संलिप्त पाया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि रमन कुमार लंबे समय से आतंकी शहजाद भट्टी के संपर्क में था और उसके निर्देशों पर काम कर रहा था। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह गंग्याल इलाके में मीट की दुकान चलाता था और स्थानीय स्तर पर झगड़ों में भी शामिल रहता था। इसी दौरान उसका संपर्क इंस्टाग्राम के माध्यम से शहजाद भट्टी से हुआ। सोशल मीडिया पर शुरू हुई बातचीत धीरे-धीरे गहरे नेटवर्क में बदल गई और दोनों के बीच नियमित संपर्क बना रहा। पुलिस के अनुसार, शहजाद भट्टी ने अपने एक आपरेटिव के जरिए रमन को पिस्टल उपलब्ध करवाई थी। हालांकि, उसे अभी किसी खास टारगेट की जानकारी नहीं दी गई थी, लेकिन आगे के निर्देश मिलने थे।

रमन कुमार इससे पहले अंबाला में पुलिस थाना ब्लास्ट मामले में भी शामिल रहा है।

तमिलनाडु के मदुरै में भीषण सड़क हादसा, दो बसों के बीच टक्कर, तीन की मौत, 15 से अधिक घायल

मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै जिले में रविवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही हादसे में 15 से ज्यादा यात्री घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि सड़क हादसा तिरुचि-मदुरै राष्ट्रीय राजमार्ग पर मेलूर के पास पलापट्टी इलाके में हुआ। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार चेन्नई से मदुरै जा रही एक निजी बस तड़के पलापट्टी इलाके में सड़क किनारे एक चाय की दुकान के पास रुकी हुई थी। बताया गया कि बस का चालक कुछ देर के लिए बस से नीचे उतरा हुआ था। इसी दौरान चेन्नई से मार्तंडम जा रही एक अन्य निजी बस अनियंत्रित हो गई और तेज रफ्तार में खड़ी बस के पिछले हिस्से से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के पीछे बैठे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में मौके पर ही तीन यात्रियों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान कनागरंजीथम (65), सुदर्शन (23) और एक अज्ञात महिला यात्री के रूप में हुई है। मृतकों में दो महिलाएं शामिल हैं। इस दुर्घटना में दोनों बसों में सवार 15 से अधिक यात्रियों को अलग-अलग स्तर की चोटें आई हैं। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने घायलों को बसों से बाहर निकालने में मदद की और पुलिस तथा एंबुलेंस सेवाओं को सूचना दी।

घायलों का इलाज जारी

घायलों को एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से मेलूर और मदुरै के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलने पर मेलूर के उप पुलिस अधीक्षक शिवकुमार के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम और कोट्टमपट्टी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने राहत कार्यों की निगरानी की और दुर्घटना के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाधित यातायात को बहाल कराया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

मेट्रो एंकर

लालू की बेटी का फिर छलका दर्द, वर्तमान नेतृत्व को कठघरे में खड़ा किया

रोहिणी बोलीं-पार्टी साजिशकर्ताओं के हवाले, घुसपैठियों से है मिलीभगत

पटना। एजेंसी

राष्ट्रीय जनता दल के भीतर वैचारिक संघर्ष और नेतृत्व की कार्यशैली को लेकर अंदरूनी कलह अब सतह पर आती दिख रही है। खुद को सच्चा लालूवादी बताने वाले पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्या ने वर्तमान नेतृत्व और उनके इर्द-गिर्द सक्रिय घेरे को कठघरे में खड़ा कर दिया है। आरोप है कि लालू प्रसाद यादव की सामाजिक न्याय की विरासत को उन साजिशकर्ताओं के हवाले कर दिया गया है, जो विरोधी खेमे के इशारे पर पार्टी को खोखला कर रहे हैं। परिवार और पार्टी से अलग होने वाली रोहिणी आचार्य ने आज पटना में होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के सन्दर्भ में कहा है।

उन्होंने लिखा कि वर्तमान की कड़वी , चिंताजनक एवं दुःखद सच्चाई यही है कि ' आज जनता के हक़ - हकूक की लड़ाई लड़ने के लिए जानी जाने वाली, जन - जन की पार्टी की असली कमान फासीवादी विरोधियों के द्वारा भेजे गए वैसे घुसपैठियों - साजिशकर्ताओं के हाथों में है , जिन्हें लालूवाद को तहस - नहस करने के टास्क के साथ भेजा गया है , कब्ज़ा जमाए बैठे ऐसे लोग अपने गंदे मकसद में काफी हद तक सफल होते भी दिखते हैं ।

सोशल मीडिया पर लिखा-असली लालूवादी बनाम घुसपैठिए

रोहिणी ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि जिस किसी ने भी हाशिए पर खड़े समाज और वंचितों के लिए निस्वार्थ भाव से संघर्ष किया है, वह आज पार्टी की बदहाली को देखकर चुप नहीं रह सकता। वफादारों का कहना है कि पार्टी की कमान फिलहाल ऐसे घुसपैठियों के हाथों में है, जिन्हें लालूवाद को खत्म करने के टास्क के साथ भेजा गया है। उन्होंने कहा कि आज जनता के हक की लड़ाई लड़ने वाली पार्टी की असली चाबी उन साजिशकर्ताओं के पास है, जो फासीवादी ताकतों के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। ये लोग अपने नापाक इरादों में सफल होते दिख रहे हैं।

जो सही मायनों में लालूवादी होगा, जिस किसी ने भी लालू जी के द्वारा, हाशिए पर खड़ी आबादी - वंचितों के हितों के लिए मजबूती से लड़ने वाली, खड़ी की गयी पार्टी के लिए निःस्वार्थ भाव से संघर्ष किया होगा, जिस किसी को भी लालू जी के द्वारा सामाजिक - आर्थिक न्याय के लिए किए गए सतत संघर्ष एवं प्रयासों का गौरवबोध होगा, जिसे लालू जी की राजनीतिक विरासत व् विचारधारा को गर्व के साथ आगे ले जाने की परवाह होगी, वो अवश्य ही पार्टी की मौजूदा बदहाली के लिए जिम्मेवार लोगों से सवाल करेगा एवं ऐसे लोगों की संदिग्ध - संदेहास्पद भूमिका के खिलाफ अंजाम की परवाह किए बिना अपनी आवाज उठाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564